भाद्रपद शुक्ल पक्ष-2, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 150 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
15 नवम्बर 2023
बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
32 अधिकतम
19 न्यूनतम

Page- 7

आज भारी सियासी गहमागहमी का दिन

सारे अस्त्र-शस्त्र हो रहे इस्तेमाल, कुछ घंटे में खत्म हो जाएगा प्रचार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

विधानसभा चुनाव का प्रचार शाम पांच बजे थमने वाला है। फिर जुलूस,सभा,लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध होगा व बाहरी लोगों को भी चुनाव क्षेत्र छोड़ना होगा। इस बीच आज कांग्रेस और भाजपा ने ताकत झोंक रखी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी दतिया में उम्मीदवार राजेंद्र भारती के लिये सभा कर रही हैं, वे दोपहर बाद सीधी में कमलेश्वर पटेल के लिये भी प्रचार करेंगी। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने प्रचार व सभाओं का सिलसिला कल इंदौर में रोड शो के साथ मप्र में खत्म कर चुके है। राहुल गांधी व अमित शाह आज छत्तीसगढ में सक्रिय हैं।

नाथ ने कहा- भाजपा चुप क्यों

कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने आज फिर केंद्रीय मंत्री तोमर के बेटे के वायरल वीडियो का मामला उठाया और कहा कि भाजपा स्पष्ट करे कि उनके लिए सबसे पहले पार्टी और परिवार का हित है या देशहित। नरेंद्र सिंह तोमर के पुत्र के तीन वीडियो अब तक सामने आ चुके हैं। कथित तौर पर 100 करोड रुपए के लेनदेन से शुरू हुआ मामला अब 10हजार करोड रुपए तक पहुंच चुका है। इसमें मादक पदार्थों के व्यापार और कनाडा से सीधा संबंध दिखाया जा रहा है। यह मामला अब किसी व्यक्ति या पार्टी का नहीं है, बल्कि सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा और नशे के कारोबार से जुड़ता हुआ दिख रहा है। नाथ ने कहा कि भाजपा का पूरा राष्ट्रीय नेतृत्व इस समय मप्र में है और इस पर एक शब्द तक नहीं बोल रहा ।

शिवराज की दर्जन भर सभा

इधर चुनाव प्रचार के अंतिम घंटो में आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान नर्मदापुरम, बैतूल, देवास, सीहोर, रायसेन, विदिशा, व भोपाल में सक्रिय हैं तो उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पन्ना, अशोकनगर, भोपाल व छिंदवाड़ा,नरेन्द्र सिंह तोमर मुरैना,विष्णुदत्त शर्मा सतना, जबलपुर, ज्योतरादित्य सिंधिया ग्वालियर, प्रहलाद पटेल एवं फग्गनसिंह कुलस्ते दमोह व रायसेन, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी जबलपुर व बालाघाट, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस छिंदवाड़ा में प्रचार कर रहे हैं।

खड़गे की पीसी के लिए सभा शाम को

कांग्रेस अध्यक्ष माननीय मल्लिकार्जुन खरगे ने आमला,में सभा की है वे आज दोपहर बैरसिया में व शाम को अंबेडकर मैदान तुलसी नगर में जनसभाकरेंगे।

लाड़ली बहना योजना 2 महीने पहले क्यों: प्रियंका

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने आज दतिया की चुनावी सभा में कहा, 'लाड़ली बहना योजना की घोषणा दो महीने पहले क्यों की गई? भाजपा घोषणाएं ये समझकर करती है कि हम जनता को बेवकूफ बना सकते हैं। 18 साल में 21 रोजगार ही दिए।'

2024 में नासा और इसरो लॉन्च करेंगे संयुक्त अंतरिक्ष मिशन

नई दिल्ली । नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (निसार) को विशेष रूप से कंपन से संबंधित परीक्षणों के बाद 2024 की पहली तिमाही में लॉन्च किया जाएगा। नासा निसार के प्रोजेक्ट मैनेजर फिल बरेला ने कहा, 'इसे इसरो अगले साल की पहली तिमाही में लॉन्च करने का अनुमान है।' उन्हें उम्मीद है कि इसरो जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल मार्क-2 के जरिए श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से निसार (जिसे 'नाइसर' कहा जाता है) का प्रक्षेपण जनवरी से पहले नहीं होगा। तीन साल की अवधि वाले इस मिशन का उद्देश्य हर 12 दिनों में पृथ्वी की सभी भूमि और बर्फ से ढकी सतहों का सर्वेक्षण करना है। यह 90 दिनों की उपग्रह कमीशनिंग अवधि के बाद शुरू होगा। जिन प्रमुख परीक्षणों को किया जाना बाकी है।

मोदी ने रांची में बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

रांची । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रांची में भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है। प्रधानमंत्री सुबह रांची स्थित भगवान बिरसा मुंडा मेमोरियल पार्क और स्वतंत्रता सेनानी म्यूजियम पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ सीएम हेमंत सोरेन, केंद्रीय जनजातीय कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा और झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन भी मौजूद रहे।

वर्ल्डकप : न्यूजीलैंड नॉकआउट मुकाबला

इतिहास नहीं आज महत्वपूर्ण जिसका दिन उसका मैच

आलोक गोस्वामी

दीपावली के पटाखों का शोर दबने के बाद आज मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैड के बीच होने वाले पहले सेमीफाइनल की आवाजें बुलंद है। क्रिकेट पंडितों ने भी मैच की समीक्षा के लिए इतिहास के पन्ने पलटने शुरू कर दिए हैं। भले ही जानकारों के गणित इतिहास के साथ टीम के हालिया फॉर्म के आधार पर होते हैं लेकिन सच तो यह है कि क्रिकेट के खेल में दिन विशेष को खिलाड़ी कैसे जीतते है इसके मायने अधिक हैं। 1983 में वेस्टइंडीज जैसी ताकतवर टीम के खिलाफ दिन विशेष पर कपिल देव की सेना का चमत्कारी प्रदर्शन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। दोनों टीम के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। क्योंकि दोनो टीमों का मनोबल बड़ा हुआ है, टीम इंडिया ने शानदार अजेय क्रिकेट खेलकर जगह बनाई है वहीं न्यूजीलैंड टीम का आईसीसी टूर्नामेंट में भारत के खिलाड़ रिकॉर्ड प्रेरणादायक है। अगर हम दोनों टीमों की ताकत व कमजोर कड़ी पर नजर डालें तो फिर टीम इंडिया का पलड़ा थोड़ा भारी है। न्यूजीलैंड टीम के बल्लेबाजी क्रम की तुलना में उनका गेंदबाजी पक्ष बांये हाथ के गेंदबाजों के इर्द गिर्द सीमित है। टीम इंडिया के बल्लेबाजों के लिए बड़े नॉक आउट मैचों में बांये हाथ के विपक्षी गेंदबाजों ने अहम भूमिका निभाई है। इसी वजह से आज के मैच कीवी टीम की गेंदबाजी में बोल्ट ओर सेंटनर का किरदार निर्णायक रहने वाला है। यह सही है कि टीम इंडिया ने अभी तक बहुत ही शानदार क्रिकेट खेली है। हर विभाग में टीम इंडिया ने झंडे गाड़ते हुए खुद को एक दमदार टीम के रूप में स्थापित किया है,लेकिन नीदरलैंड के खिलाफ आखिरी लीग मैच में पार्ट टाइम गेंदबाजी के प्रयोग ने टीम में 5 ही गेंदबाजी विकल्प की कमजोरी वाली मैनेजमेंट की शंका को उजागर किया है। वैसे तो टीम इंडिया के पांच गेंदबाज अभी तक दमदार नजर आये हैं,लेकिन अगर नॉक आउट मैच का दवाब या फिर पहले गेंदबाजी मिलने पर कोई भी गेंदबाज अपनी लय पाने में नाकामयाब होता है,तो फिर कप्तान रोहित शर्मा के लिए चुनौती कठिन हो सकती है। बल्लेबाजी में टीम इंडिया सभी मैचों में दमदार रही है, सभी बल्लेबाज शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। रन मशीन विराट कोहली का इस टूर्नामेंट में लगातार बल्ला बोल रहा है। अब सेमीफाइनल में इस चेस मास्टर विशेषज्ञ की बल्लेबाजी टीम के लिए मजबूत कड़ी हो सकती है। इसकी खास वजह वानखेड़े पर इस मेगा मुकाबले में टॉस का रोल बहुत ही अहम रहेगा, क्योंकि अभी तक हुए मैचों में टॉस हारने वाली टीम के लिए यहां एक अलग ही चुनौती रही है।

19 हजार 654 छात्राओं के हुए यूजी-पीजी में प्रवेश, मिलेगी 25 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि

उच्च शिक्षा में लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 का असर !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कॉलेज में प्रवेश के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा चलाई गई काउंसलिंग प्रक्रिया पर विराम लग गया है। इसके साथ ही इस वर्ष होने वाले प्रवेश को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है।

खास बात यह है कि इस बार उच्च शिक्षा विभाग द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 वर्तमान सत्र 2023-24 में पहली बार लागू की गई है। इस लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 में 19 हजार 654 छात्राओं के प्रवेश हुए हैं। प्रवेश लेने वाली छात्राओं को तीन साल की डिग्री पूर्ण करने के दौरान 25 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके अलावा छात्राएं अपने वर्ग की स्कॉलरशिप भी ले सकेंगी। छात्राएं यूजी में प्रवेश लेने के दौरान लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 का आवेदन करने के साथ अपने वर्ग जैसे ओबीसी, एससी-एसटी की स्कॉलरशिप भी ले सकेंगी। लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 की पात्रता होने पर छात्राएं गांव की बेटी और प्रतिभा किरण योजना का आवेदन नहीं कर पाएंगी। छात्राएं उसी प्रोत्साहन राशि का चयन करेंगी, जिनसे उन्हें आर्थिक लाभ ज्यादा हो रहा हो। गांव की बेटी और प्रतिभा किरण में छात्राओं को छह हजार रुपए सालाना दिए जाते हैं।

27 नवंबर से 9 दिसंबर तक अलग-अलग तारीखों में निरस्त की जाएंगी ये ट्रेनें

बरखेड़ा-बुधनी तीसरी रेल लाइन का काम पूरा, 70 ट्रेनों को निरस्त कर जोड़ेंगे पटरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरखेड़ा-से बुधनी के बीच तीसरी रेल लाइन का काम पूरा हो गया है। केवल नई पटरियों को पुरानी पटरी से जोड़ने का काम बाकी है जो 27 नवंबर से 9 दिसंबर तक होगा। इस अवधि में रेलवे बड़ा ब्लाक ले रहा है, जिसके कारण इस रेल मार्ग से होकर गुजरने वाली अप-डाउन की 70 ट्रेनों को निरस्त किया जाएगा। ये ट्रेनें अलग-अलग तारीखों में कुछ दिनों के लिए निरस्त रहेंगी।

ट्रेनों के निरस्त रहने के कारण लाखों यात्रियों को परेशान होना पड़ेगा लेकिन जब काम पूरा हो जाएगा, तब सहूलियतें भी होंगी, क्योंकि इस सेक्शन में नई रेल लाइन पर ट्रेनों के चलने से भोपाल से इटारसी के बीच की दूरी तय करने में लगने वाला समय 5 से 10 मिनट कम हो जाएगा।

रेल लाइन पर ट्रैफिक शुरू होने के बाद यात्रियों के बचेंगे 5 से 10 मिनट

ये प्रमुख ट्रेनें रहेंगी निरस्त

रेलवे से जो जानकारी मिली है उसके अनुसार रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से जबलपुर के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस, पातालकोट एक्सप्रेस, छत्तीसगढ़, गोंडवाना व अंडमान एक्सप्रेस जैसी 70 ट्रेनें निरस्त रहेंगी। जो ट्रेनें निरस्त की जानी है उनमें 6 पार्सल और 4 मेमू ट्रेनें भी शामिल है।

मैसेज कर रेलवे दे रहा ट्रेनों के निरस्त होने की सूचना : रेलवे ने इन ट्रेनों के निरस्त रहने की सूचना संबंधित ट्रेनों में बुकिंग करने वाले रेल यात्रियों को मैसेज के माध्यम से देना शुरू कर दिया है। यह नहीं, उक्त अवधि में बुकिंग कराने वाले यात्रियों को किराये की पूरी राशि लौटाई जाएगी।

ये ट्रेनें रहेंगी निरस्त

- **ट्रेन 19343** इंदौर सिवनी पेंचवेली एक्स., 27 नवंबर से नौ दिसंबर
- **ट्रेन 19344** छिंदवाड़ा-इंदौर पेंचवेली एक्स., 28 नवंबर से 10 दिसंबर
- **ट्रेन 12923** डा. आंबेडकर नगर नागपुर एक्स., पांच दिसंबर
- **ट्रेन 12924** नागपुर-डा. आंबेकर नगर एक्स., छह दिसंबर
- **ट्रेन 12153** लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रानी कमलापति एक्स., सात दिसंबर
- **ट्रेन 12154** रानी कमलापति-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्स., आठ दिसंबर
- **ट्रेन 11079** लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्स., सात दिसंबर
- **ट्रेन 11080** गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्स., नौ दिसंबर
- **ट्रेन 22175** नागपुर-जयपुर एक्स., सात दिसंबर
- **ट्रेन 22176** जयपुर-नागपुर एक्स., आठ दिसंबर
- **ट्रेन 12161** लोकमान्य तिलक टर्मिनस-आगरा कैंट एक्स., आठ दिसंबर
- **ट्रेन 12162** आगरा कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्स., नौ दिसंबर
- **ट्रेन 01431** पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस विशेष, आठ दिसंबर
- **01432 गोरखपुर-एक्सप्रेस विशेष**, नौ दिसंबर
- **ट्रेन 01025** दादर-बलिया एक्स., विशेष, छह व आठ दिसंबर
- **01026 बलिया-दादर एक्स.** विशेष, आठ व 10 दिसंबर
- **ट्रेन 01027** दादर-गोरखपुर एक्स., विशेष, सात दिसंबर
- **ट्रेन 01028** गोरखपुर-दादर एक्स., विशेष नौ दिसंबर
- **ट्रेन 14624** फिरोजपुर छावनी जंक्शन-सिवनी पातालकोट एक्स., 27 नवंबर से नौ दिसंबर
- **ट्रेन 14623** सिवनी-फिरोजपुर छावनी जंक्शन पातालकोट एक्स., 28 नवंबर से 10 दिसंबर
- **ट्रेन 22404** नई दिल्ली-पांडिचेरी एक्स., 26 नवंबर व तीन दिसंबर
- **ट्रेन 22403** पांडिचेरी-नई दिल्ली एक्स., 29 नवंबर व छह दिसंबर
- **ट्रेन 12410** हजरत निजामुद्दीन-रायगढ़ एक्स., छह व सात दिसंबर
- **12409 रायगढ़-हजरत निजामुद्दीन एक्स.**, आठ व नौ दिसंबर
- **ट्रेन 12720** हैदराबाद-जयपुर एक्स., 27, 20 नवंबर व चार और छह दिसंबर
- **12719 जयपुर-हैदराबाद एक्स.**, 29 नवंबर व एक, छह और आठ दिसंबर
- **ट्रेन 17020** हैदराबाद-हिसार एक्स., दो दिसंबर
- **ट्रेन 17019** हिसार-हैदराबाद एक्स., पांच दिसंबर
- **ट्रेन 02575 हैदराबाद** - गोरखपुर जंक्शन एक्स. विशेष, एक व आठ दिसंबर
- **ट्रेन 02576 गोरखपुर** - हैदराबाद एक्स. विशेष, तीन व 10 दिसंबर दिसंबर
- **ट्रेन 05303** गोरखपुर-महबूबनगर एक्स., दो व नौ दिसंबर
- **ट्रेन 15304** महबूबनगर - गोरखपुर एक्स., चार व 11 दिसंबर
- **ट्रेन 15065** गोरखपुर-पनवेल एक्स., सात व आठ दिसंबर
- **ट्रेन 15066** पनवेल- गोरखपुर एक्स., आठ व नौ दिसंबर
- **ट्रेन 16031** चेन्नई-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्स., छह व सात दिसंबर
- **ट्रेन 16032** श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा-चेन्नई एक्स., आठ व नौ दिसंबर
- **ट्रेन 16093** चेन्नई-लखनऊ जंक्शन एक्स., पांच दिसंबर
- **ट्रेन 16094** लखनऊ जंक्शन-चेन्नई एक्स., सात दिसंबर
- **ट्रेन 12687** मदुरै-चंडीगढ़ एक्स., छह दिसंबर
- **ट्रेन 12688** चंडीगढ़-मदुरै एक्स., 11 दिसंबर
- **ट्रेन 22631** चेन्नई-बीकानेर एक्स., सात दिसं.
- **ट्रेन 22632** बीकानेर-चेन्नई एक्स., 10 दिसंबर
- **ट्रेन 04121** सूबेदारगंज-सिकंदराबाद एक्स., 30 नवंबर व सात दिसंबर
- **ट्रेन 04122** सिकंदराबाद-सूबेदारगंज एक्स., दो व नौ दिसंबर
- **ट्रेन 01922** वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-पुणे एक्स. विशेष, छह दिसंबर
- **ट्रेन 01921** पुणे-विरांगना लक्ष्मीबाई झांसी एक्स. विशेष, सात दिसंबर
- **ट्रेन 09715** हिसार-तिरुपति एक्स., दो दिसंबर
- **ट्रेन 09716** तिरुपति-हिसार एक्स., पांच दिसंबर
- **ट्रेन 20481** भगत की कोठी-तिरुच्चिरापल्ली हमसफर एक्स., 29 नवंबर व छह दिसंबर
- **ट्रेन 20482** तिरुच्चिरापल्ली-भगत की कोठी हमसफर एक्स., दो व नौ दिसंबर
- **ट्रेन 18237** कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्स., छह-सात व आठ दिसंबर
- **ट्रेन 18238** अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्स., आठ-नौ व 10 दिसंबर
- **ट्रेन 22187/22188** रानी कमलापति-अधारताल-रानी कमलापति इंटरसिटी एक्स., सात से नौ दिसंबर
- **ट्रेन 01665** रानी कमलापति-अगरतला एक्स., सात दिसंबर
- **ट्रेन 01666** अगरतला-रानी कमलापति एक्स., 11 दिसंबर
- **ट्रेन 12061** रानी कमलापति-जबलपुर जनशताब्दी एक्स., 27 नवंबर से नौ दिसंबर तक
- **ट्रेन 12062** जबलपुर-रानी कमलापति जनशताब्दी एक्सप्रेस, 28 नवंबर से 10 दिसंबर
- **ट्रेन 11601/11602** बीना-कटनी-बीना मेमू विशेष, 27 से नौ दिसंबर
- **ट्रेन 06603/06604** बीना-कटनी मुड़वारा-बीना मेमू विशेष, 27 नवंबर से नौ दिसंबर तक
- **ट्रेन 00638** ओखला- बेंगलुरु (पार्सल) एक्स., छह दिसंबर
- **ट्रेन 00653/00654** रोयापुरम-पटेल नगर-रोयापुरम (पार्सल) एक्स., छह दिसंबर
- **ट्रेन 00629** यशवंतपुर-तुगलकाबाद (पार्सल) एक्स., पांच दिसंबर
- **ट्रेन 00630** तुगलकाबाद-यशवंतपुर (पार्सल) एक्स., छह दिसंबर
- **ट्रेन 00761** रेनिगुंटा-हजरत निजामुद्दीन (पार्सल) एक्स., छह दिसंबर
- **ट्रेन 00762** हजरत निजामुद्दीन-रेनिगुंटा (पार्सल) एक्स., आठ दिसंबर

रातीबड़ में 50 एकड़ में तैयार होगा ट्रिपल आईटी का भवन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विद्यार्थियों को मिलेगी हाईटेक लैब, पार्किंग, लायब्रेरी, खेल ग्राउंड सहित अन्य सुविधाएं

राष्ट्रीय स्तर के इस संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (ट्रिपल आईटी) की बिल्डिंग रातीबड़ में 50 एकड़ में तैयार होगी। जिसमें विद्यार्थियों के लिए हाईटेक लैब, पार्किंग, लायब्रेरी, खेलग्राउंड सहित अन्य सुविधाएं होंगी। बिल्डिंग तैयार होने के ढाई से तीन साल का समय लग सकता है। इससे पहले आरजीपीवी कैंपस में इंस्टीट्यूट को जमीन दी जा रही थी। इस जमीन के बीच से बायपास रोड निकला है। 50 एकड़ जमीन में से करीब 36 एकड़ जमीन ही उपयोगी की थी। इस कारण इस पर सहमति नहीं बन सकी। वहीं बीएचईएल में भी जमीन की बात चल रही थी।

फिलहाल मिनट में संचालित

ट्रिपल आईटी की स्थापना को छह साल हो चुके हैं। वर्तमान में ट्रिपल आईटी मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) के न्यू टीचिंग ब्लॉक में संचालित हो रहा है। इसके लिए 22 कमरे मिले हैं। यहां सिर्फ तीन लैब ही स्टेबलिश हैं। छात्र संख्या 950 है। स्टूडेंट मैनिट की लैब का भी उपयोग करते हैं।

राजधानी का चुनावी घमासान

भोपाल। उत्तर क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा का चौक बाजार में जनसंपर्क।

गोविंदपुरा में कांग्रेस उम्मीदवार रवि साहू।

नरेला में भाजपा उम्मीदवार विश्वास सारंग और कांग्रेस उम्मीदवार मनोज शुक्ला के चुनाव प्रचार के दो रंग।

राज्य शिक्षा केंद्र

8 जिलों में बिना निर्देश राशि खर्च करने पर नोटिस, मांगा जवाब

भोपाल। प्रदेश के आठ जिलों में समग्र शिक्षा अभियान आईईडी गतिविधियों में बिना अनुमति राशि खर्च करने पर राज्य शिक्षा केंद्र ने जिला परियोजना समन्वयकों को फटकार लगाई है। आरएसके द्वारा अनूपपुर, मंडला, सीहोर, सिवनी, शाजापुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और सतना जिले के जिला परियोजना समन्वयकों को नोटिस जारी किया गया है। आरएसके ने मामले में जिलों से जवाब मांगा गया है, ताकि आगे की कार्यवाही की जा सके। दरअसल, राज्य शिक्षा केंद्र के आईईडी नियंत्रक डी आर एस तिवारी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि समग्र शिक्षा अभियान आईईडी गतिविधियों संबंधी स्वीकृत वार्षिक कार्य योजना 2023-24 के तहत राज्य शिक्षा केंद्र से विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए कोई निर्देश इस साल नहीं दिए हैं, इसके बाद भी उक्त जिलों ने स्पोर्ट और एक्सपोजर विजिट गतिविधि में राशि खर्च की है। तिवारी ने जिलों की इस हरकत पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि बिना निर्देशों के राशि व्यय करना वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है।

मेट्रो एंकर | **रामेश्वर ने बनाई चाय, इमरती, आत्मीय मुलाकात की**

संतनगर में भाजपा-कांग्रेस ने किया अंतिम दौर में जनसंपर्क

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में हुजूर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा ने जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान शर्मा का अलग अंदाज देखने को मिला। दुकानों पर पहुंच कर आत्मीय मुलाकात की। मोची की दुकान पर पहुँच कर जमीन पर बैठकर गले लगाया, हलवाई की दुकान पर पहुँचकर इमरती बनाई, चाय की दुकान पर पहुँचकर चाय बनाते हुए नजर आए।

शर्मा ने हथाई खेड़ी में नागरिकों से भेंट, गांधीनगर में सत्संग एवं भेंट, मानसरोवर कोलार में रहवासियों से भेंट, फंदा, बिलखिरिया, दीनदयाल एवं रातीबड़ मण्डल के ग्रामीणों की बैठक, (विंध्य) के रहवासियों से भेंट, अयप्पा मंदिर से सीटीओ तक रैली, संतनगर में जनसम्पर्क, शनिमंदिर सर्वधर्म कोलार में सुंदरकांड एवं आरती कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

वहीं कांग्रेस उम्मीदवार नरेश ज्ञानचंदानी ने भी रोड शो किया। संतनगर के विभिन्न इलाकों में वोट की अपनी करने अपने भाई टीके ज्ञानचंदानी के साथ निकले। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मारण, गांधीनगर ब्लॉक अध्यक्ष आनंद सबधानी, कांग्रेस नेता माधु चांदवानी व अन्य नेता उनके

15 दिन जमकर बिके कपड़े, बर्तन और गहने

बाजार में सुस्ती, व्यापारियों ने की सर्दी की खरीदी की तैयारी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

दीपावली की ग्राहकी के कपड़ा, बर्तन और सराफा बाजार में कारोबारी ठंडक है। आने वाला समय समर के कपड़ा का होगा। व्यापारियों का कहना है एक सप्ताह तक व्यापारी अपना स्टॉक और सर्दियों के कपड़ से कारोबार को अपडेट करेगा।

दीपावली के बाद सोमवार और मंगलवार को बाजारों में संतनगर में दीपोत्सव बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। पिछले कई दिनों से संत नगर के थोक कपड़ा,बर्तन के बाजारों में रौनक छाई हुई थी,लेकिन दीपोत्सव के दूसरे दिन यह रौनक अचानक गायब रही। दीपावली के दूसरे दिन लोगों ने अपने अपने परिवार को समय दिया और घुमने के निकल गए। कई दिनों की सीजन के बाद व्यापारियों ने भी अपनी थकावट दूर की और परिवार को समय दिया। संतनगर के मिनी मार्केट, मुख्य मार्ग, सराफा में दुकाने भी आधे से ज्यादा बंद रही।

त्योहार के दूसरे दिन जहां मिठाई की दुकानों पर भीड़ नहीं रही,त्योहार के एक दो दिन पहले ही लोगों ने जमकर मिठाई, ड्रार्यफूट की जमकर खरीदारी कर एक दूसरे को उपहार स्वरूप भेंट किए। इस बार मिठाई की ब्रिक्री से ज्यादा गिफ्ट पेक ज्यादा लोगों ने खरीदे, तरह-तरह के गिफ्ट पैक लोगों ने उपहार स्वरूप एक दूसरे को दिए। दीपोत्सव के दूसरे दिन सोमवार शाम को बैरागढ़, भोपाल इंदौर हाई वे मूवी थेटर और घुमने फिरने वाले स्पॉट पर लोगों की संख्या ज्यादा देखी गई।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष-2, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 150 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
15 नवम्बर 2023 बुधवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
19 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

मप्र का चुनावी दंगल
[02 दिन बाकी]

चुनाव 2023
चेहरा एक अदद
आशीष दुबे

लगा के देख लो जो भी *हिसाब* आता हो...

'ये तो चेहरे का फक़त अक्स है, तस्वीर नहीं..इस पर कुछ रंग अभी और चढ़ाते रहिए' मप्र के विधानसभा चुनाव में रोज उभरने वाले कुछ खास व गाढ़े चित्रों के पीछे ऐसे सियासी चित्रकारों की कूची भी काम करती है, जो चित्रों के रंगों को चटख बनाती है। सत्ता में जमी भाजपा हो या सत्ता पाने को बेताब कांग्रेस, दोनों शिविरों में चुनिंदा ऐसे चेहरे हैं, जो सोते-जागते चुनावी कैनवास में रंग उड़ेल रहे हैं। कुछ मैदान में नजर आते हैं, कुछ वॉर रूम में। चेहरे के पीछे चेहरा तलाशने की कोशिश में आज कांग्रेस नेता *दिग्विजय सिंह*...

मप्र की राजनीति में बीते तीन दशक से दिग्विजय सिंह कांग्रेस के लिए परोक्ष व अपरोक्ष तौर पर जितने जरूरी रहते आए हैं, उतना ही अपरिहार्य वे भाजपा की राजनीति के लिए भी रहे हैं! दरअसल, भाजपा नेताओं द्वारा कहे जाने वाले मप्र के किस्सों में दिग्विजय भी एक बड़े हिस्से होते हैं और अब 'शाहनीति' में भी हैं। इस बार भी विधानसभा चुनाव में सिंह एक महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। यह वह भूमिका है, जो पांच वर्ष पहले वाले चुनाव से ज्यादा विस्तारित नजर आती है। शायद इसलिए भी, क्योंकि मप्र में कांग्रेस इस बार अपने अस्तित्व की लड़ाई में मुब्तला है, साथ ही पीढ़ी परिवर्तन की एकदम दहलीज पर है।

कांग्रेस के गलियारों में दिग्विजय के आलोचक भी यह बात मानते हैं कि वे कार्यकर्ताओं के नेता हैं, उनका नेटवर्क मप्र के हर गांव तक मिल जाता है। इसी बूते पर हर बार चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों में उनके समर्थकों की संख्या स्वाभाविक (कुछेक अपवादों को छोड़कर) रूप से ज्यादा रही है। यह बात उन्हें मजबूत भी बनाती है और सियासी तौर पर कमजोर भी, क्योंकि इस मामले में हमले उनके दल के नेताओं की तरफ से ही *किये या कराए* जाते रहे हैं। उनके एक करीबी नेता के मुताबिक 'वे कई बार मजाक में अपनों के बीच कहते हैं कि मुझे नब्बे फीसदी तो कांग्रेस के भीतर ही लड़ना पड़ता है, बाकी भाजपा से!' मगर खास बात यह है कि भाजपा के मौजूदा अग्रिम पंक्ति के नेताओं में कुछ ऐसे भी हैं जो मैदानी तौर पर दिग्विजय-शैली में

राजनीति की कोशिश करते हैं, हालांकि वे इसे स्वीकार नहीं करते !

ऐसा नहीं है कि दिग्विजय की राजनीति में चूकें नहीं हैं, वे कई बार जबर्दस्त विवादों व अलोकप्रियता के भंवर में डूबते-उतराते रहे हैं। हालांकि राघौगढ़ 'छोड़ने' और भोपाल से चुनाव लड़ने तथा अचानक कांग्रेस अध्यक्ष के लिए नामांकन की तैयारी उनके ऐसे फैसले हैं जो उनके ही समर्थकों को चौंका चुके हैं। उनके बयानों पर विवाद एक स्थाई भाव की तरह रहा है, दिल्ली से लेकर भोपाल तक मीडिया उनके पास जुटता है तो ऐसे किसी 'मसाले' के लिए, जिसे एक दो दिन तक परोसा जा सके। लेकिन कुछ समय से वे इस मामले में अपेक्षाकृत संयत हैं। चार दशक में कमलनाथ को छोड़कर, श्यामचरण शुक्ल, अर्जुन सिंह, माधवराव सिंधिया, सुभाष यादव से उनके रिश्ते उतार-चढाव भरे रहे हैं, मगर अब नाथ से उनकी ट्यूनिंग पर सवाल व कौतुहल है, खासकर हालिया टिकट बंटवारे व *कपड़ाफाड़* मंचीय प्रहसन के बाद। फिर भी चुनाव के बाद कांग्रेस का जो भी ढांचा सामने आएगा, उसमें दिग्विजय का वजन कमजोर रहेगा, ऐसा कोई नहीं मानता। वसीम बरेलवी ने लिखा है- *'मैं आसमाँ पे बहुत देर रह नहीं सकता, मगर ये बात ज़मीं से तो कह नहीं सकता, ये आज़माने की फ़ुर्सत तुझे कभी मिल जाए, मैं आँखों आँखों में क्या बात कह नहीं सकता, लगा के देख ले जो भी हिसाब आता हो, मुझे घटा के वो गिनती में रह नहीं सकता..।'*

इलेक्शन डायरी

राजेश सिरोठिया

फर्क मोदी-राहुल गांधी का, अंतर प्रियंका का

भाजपा और कांग्रेस की चुनावी प्रचार शैली के फर्क को समझना हो तो उनके शीर्ष नेताओं की सभाओं, रैलियों और रोड शो में लगाई गई ड्युटियों से साफ हो जाता है। भाजपाई चुनावी रणनीतिकारों ने प्रधानमंत्री को उन सीटों पर सभा और रोड शो कराकर दांव पर लगाया जहां से भाजपा प्रत्याशियों के कमजोर पडऩे के फीड बैक आ रहे थे। धार झाबुआ और बैतूल की सभाओं से लेकर इंदौर के रोड शो तक मोदी को भाजपा ने मैदान में उतारकर अपनी कमजोर इलाके वाली सीटों को संवारने का जतन करने का प्रयास करती दिखी। वहां कांग्रेस ने राहुल गांधी का रोड शो भोपाल के उन मुस्लिम बहुल इलाकों में कराया जहा कि कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत पक्की दिख रही थी। जाहिर है कि चुनावी नतीजे आने के बाद कांग्रेसी राहुल के आने पर जीत की गारंटी की डुगडुगी बजाएंगे। लेकिन इसके विपरीत कांग्रेस की असर छोडऩे वाली नेत्री प्रियंका गांधी को उन इलाकों में सभाओं के लिए भेजा है जहां पर भाजपा के प्रत्याशी अपेक्षाकृत या तो मजबूत स्थिति में हैं या फिर जीतने वाले हालात के निकट हैं। जब प्रियंका गांधी जनता के बीच राहुल गांधी से ज्यादा प्रभावी साबित हो रही हैं, तो उनको पीछे रखने की वजह आखिर क्या हो सकती है?

भोपाल उत्तर में दांव पर आलोक शर्मा

भोपाल उत्तर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी और पूर्व महापौर आलोक शर्मा की जीत आरिफ अकील परिवार के झगड़ों और कांग्रेस के दो बागी मो. सऊद और नासिर इस्लाम को मिलने वाले मुस्लिम मतों पर की संभावनाओं पर जाकर टिक गई है। आलोक शर्मा पर दांव खेलने वाले भाजपाईयों को लग रहा है कि भोपाल उत्तर में भाजपा और आलोक की जीत अभी नहीं तो कभी वाली स्थिति में जाकर टिक गई है। लेकिन मध्यप्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं की कांग्रेस के प्रति एकजुटता , मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में भाजपा प्रत्याशियों की उम्मीदवारों की संभावनाओं पर पानी फेर रहे हैं। नरेला में भी मंत्री विश्वास सारंग को कड़े मुकाबले से जूझना पड़ रहा है। सारंग की हार और जीत का समीकरण क्षेत्र के ब्राहमण मतदाताओं पर जाकर टिक गए हैं। मुसलमान वोटरों के बाद सबसे ज्यादा प्रभावी संख्या ब्राह्मण मतदाताओं की है। यदि 50 फीसदी से ज्यादा पंडित वोट कांग्रेस के मनोज शुक्ला को मिल गए तो विश्वास का नरेला से भरोसा टूट सकता है।

कड़े संघर्ष के 'मध्य' ध्रुव

पिछले चुनाव में भाजपा के सुरेंद्रनाथ सिंह को हराकर विधानसभा में पहुंते आरिफ मसूद के सामने इस बार भाजपा ने पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह पर दांव लगाया है। मसूद ने बीते सालों में ीत के बाद कई मिथकों तोड़ा है। उन्होंने अरेरा कालोनी, शाहपुरा जैसे कई हिंदु बाहुल्य इलाकों में जमकर विकास के काम कराए। कट्टर छवि से बाहर निकलने के लिए साफ्ट हिंदुत्व को अपनाया। जिन चीजों से हिंदु मतदाता बिचकते हैं , उनसे न सिर्फ खुद परहेज किया बल्कि अपने समर्थकों को भी उनसे दूर रखा। भाजपा ने रणनीति के तहत ध्रुवनारायण सिंह को इसलिए पहली सूची में टिकट दिया था ताकि वे भाजपा के लिहाज से कमजोर इस सीट पर जान फूंकेंगे। लेकिन ध्रुव भाई का प्रचार करने का अपना अंदाज ही निराला है। वे इसी बूते पर आरिफ मसूद को पटखनी देने की तैयारी में जुटे हैं।

दक्षिण में मुकाबला दिलचस्प

राजधानी की दक्षिण पश्चिम विधानसभा सीट पर सबसे रोचक मुकाबला है। मूलतः भाजपाई मिजाज वाली इस सीट को पिछले चुनाव में कांग्रेस के पीसी शर्मा ने भाजपा के उमासंकर गुप्ता को हराकर छीन लिया था। इस बार भाजपा ने गुप्ता से परहेज करते हुए आखिरी मौके पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ समर्थित भगवानदास सबनानी को मैदान में उतारा। सबनानी की उम्मीदवारी से पहले तो पीसी शर्मा की बांछें खिल गई लेकिन बाद में उनको अहसास हुआ कि राह उतनी आसान नहीं जितना कि वह समझ रहे थे। इसलिए सबनानी के साथ पीसी शर्मा ने भी पूरी ताकत झोंक दी है। सौहाद्रता के माहौल में चुनाव प्रचार के दौरान विंध्य क्षेत्र के मतदाताओं के दीपावली मिलन समारोह में थोड़ी नोंकझोंक और आपसी झड़प की नौबत भी आई लेकिन इसके बाद सब ठीक हो गया। पीसी गुड्डू चौहान सरीखे कद्दावर पार्षद के भरोसे चुनावी समर में हैं तो सबनानी को भाजपा संगठन और कार्यकर्ताओं की फौज के सहारे अपनी जीत तलाश रहे हैं।

विष्णु के लिए खतरा कांग्रेस की जयश्री

दो बार के भाजपा विधायक विष्णु खत्री के लिए इस दफे ीत की राह आसान नहीं है। खत्री ने बीते पांच साल में भाजपा में दोस्त कम दुश्मन ज्यादा बनाए हैं। उन्हीं की बेरूखी उनकी जीत की हेट्रिक में आड़े आ रही है। जयश्री हरिकरण पिछले चुनाव की हार से सबक लेकर सभाओं के साथ घर-घर चुनाव प्रचार के लिए भी जा रही हैं। ग्रामीण कांग्रेस नेता अवनीश भार्गव ने उनके लिए पूरा जोर लगा रखा है। देखने लायक होगा कि बेरसिया के समीकरणों को उलटने को बेताब हरिकरण की कोशिशें कितनी कामयाब होती हैं।

आज शाम 5 बजे थम जाएगाचुनाव प्रचार का शोर

मप्र में कांग्रेस कहीं टक्कर में नहीं:मोदी
कांग्रेस का तूफान आने वाला है :राहुल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।
मप्र में सरकार बनाने के लिये कांग्रेस और भाजपा की पूरी ताकत आज शाम पांच बजे तक लग रही है, आज दोनों तरफ से नेताओं के जोरदार दौरे सभा व रोड शो हो रहे हैं। बीती रात भी पीएम मोदी ने इंदौर में बड़ा रोड शो किया वे बड़ा गणपति से राजवाड़ा तक खुली जीप पर सवार होकर गये। वहीं राहुल गांधी ने भी मप्र में तीन सभा लीं, मल्लिकार्जुन खडगे भी सक्रिय हैं। आज प्रियंका गांधी के भी दौरे हैं। उधर भाजपा की तरफ से शिवराज सिंह चौहान, वीडी शर्मा, समेत महाराष्ट्र, उप्र के नेता भी प्रचार कर रहे हैं। करीब आधा दर्जन केंद्रीय मंत्री भी चुनाव क्षेत्र में हैं। पीएम मोदी ने आदिवासी बहुल झाबुअ व शाजापुर में सभा में कहा कि यह चुनाव अभियान की मेरी आखिरी सभा है तथा मुझे विश्वास है कि मेरी यह आखिरी सभा चुनाव परिणामों की दृष्टि से नंबर-1 बनेगी। कांग्रेस इस चुनाव में कहीं टक्कर में नजर नहीं आ रही है व शर्मनाक हार की तरफ बढ़ रही है। मोदी ने भरोसा जताया कि मध्यप्रदेश के लोग विकास को चुनेंगे, भाजपा को चुनेंगे।

तोमर के वीडियो पर दंगल जारी: उधर कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर के बेटे के लेनदेन वाले कथित वीडियो पर आक्रामक रुख अपना रखा है। पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कांग्रेस मुख्यालय में एक वीडियो जारी करते हुए भाजपा की चुप्पी पर आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो के सत्य का पता लगाना जांच एजेंसी का काम है।

वहीं राहुल गांधी ने विदिशा में सभा के दौरान कहा कि मप्र में कांग्रेस का तूफान आने वाला है, जनता कांग्रेस पार्टी को 150 सीट से जिताने का कमा करेंगी और इसका सबसे बड़ा कारण है कि 2018 में अपने कांग्रेस पार्टी की सरकार चुनी थी और फिर भाजपा के नेताओं ने नरेंद्र मोदी, अमित शाह, शिवराज सिंह चौहान ने करोड़ों रुपए देकर विधायकों को खरीद कर आपके साथ धोखा किया। उन्होंने मध्य प्रदेश के अरबपतियों को धोखा नहीं बल्कि किसानों को, युवाओं को, महिलाओं को और मजदूरों को धोखा दिया। मप्र में कांग्रेस की जब सरकार आई थी तो हमने 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया था। विदिशा शहर के लिए 1700 करोड रुपए भेजे गए लेकिन आपकी जेब में 1 रू. भी नहीं आया, सारा पैसा भाजपा नेता मिलकर खा गए।

नाथ ने कहा–कमलनाथ ने मुरैना में सभायें की और कहा कि हमारी सरकार आने पर हम गेहूं के लिए 2600 रूपये समर्थन मूल्य देंगे और धान के लिए 2500 रूपये समर्थन मूल्य देंगे। स्कूली बच्चों को पढ़ो और पढ़ाओं योजना के जरिए हम उन्हें 500 रू से 1500 रू. प्रतिमाह स्कॉलरशिप देंगे। नाथ ने कहा आपको तय करना है कि कैसा प्रदेश आपको चाहिए है। उन्होंने कहा कि मैं पुलिस, प्रशासन और भाजपा के लोगों को बतना चाहता हूं कि कमलनाथ अब 2018 के मॉडल नहीं हैं।

डाकघरों से किया जा रहा वोटर कार्डों का वितरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।
वोटर कार्डों का वितरण डाकघरों से किया जा रहा है। इस काम में तेजी लाई गई है क्योंकि मतदान को अब अधिक समय नहीं बचा है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर ने सभी डाकघर प्रमुखों को कहा है कि कार्ड वितरित करने के काम में गंभीरता बरतें।

असल में भोपाल जिले में कुल एक लाख 82 हजार मतदाताओं के नये वोटर कार्ड बनकर आना थे। इनमें से एक लाख 80 हजार कार्ड डाकघर को भेज दिए गए हैं। इन कार्डों को डाक विभाग द्वारा स्पीड पोस्ट से मतदाताओं के घर -घर भेजा जा रहा है।

जिले की सात विधानसभा क्षेत्रों में कुल 20 लाख 87 हजार 32 मतदाता हैं। इनमें से एक लाख 82 हजार के नये वोटर कार्ड बनना थे। इनमें नये मतदाता और संशोधन कराने वाले मतदाता शामिल हैं। वेंडर द्वारा पिछले 20 दिन के अंदर दो से तीन खैप में यह वोटर कार्ड जिला निर्वाचन कार्यालय को भेजे हैं ।

जिन्हें वोटर कार्ड नहीं मिले, वे अपनाएं ये तरीके

जिन मतदाताओं को वोटर कार्ड नहीं मिले है यदि उनका नाम मतदाता सूची में है तो वे 12 वैकल्पिक फोटो युक्त दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, मनरेगा जाब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र राज्य सरकार, पीएसयू सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक, डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों, विधायकों, एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी लेकर जाए और मतदान कर सकते हैं।

सुविचार

`` समय बहकर ले जाता है जाम और निशां कोई 'हम' में रह जाता है तो कोई 'अहम' में ''

-अज्ञात

संपादकीय

विकास और चेतावनियां

विकास किसी जिद से ही रफ्तार भरता है लेकिन इसकी रफ्तार में यदि आम जनजीवन या पर्यावरण चपेट में आने लगे तो विकास के पहियों में थोड़ा ब्रेक लगाकर सोचना जरूरी हो जाता है कि क्या सही हो रहा है और क्या गलत। देश में कुछ साल से निर्माण की प्रक्रिया बहुत तेज है, खासतौर पर सड़के,पुल या अधोसंरचना से जुडे काम, लेकिन पहाड़ी इलाकों में विकास के लिये पहाड़ियों को काटकर रास्ता बनाने से कई ऐसे खतरे पैदा हो गये हैं,जिनके बारे में विशेषज्ञ काफी समय से आगाह करते रहे हैं। इसीलिये दो दिन पहले जब उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में जिस तरह से सिल्क्यारा सुरंग का एक हिस्सा धंस गया तथा से हादसे में फंसे सभी 40 मजदूरों की जान बचाने की चुनौती खड़ी हो गई, वह बहुत सारी बातों को सोचने पर विवश करता है तथा संवेदनशील क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण से जुड़े हादसों को देखते हुए इन पर अलग से विचार करने की जरूरत चीख चीखकर बताता है। हालांकि अच्छी बात यह है कि स्थानीय प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया। सुरंग में फंसे मजदूरों से संपर्क स्थापित करके यह पता कर लिया गया कि वे सभी सुरक्षित हैं। उन तक ऑक्सिजन और भोजन पहुंचाने की भी व्यवस्था की गई। इन तक पहुंचने के लिए मलबे हटाते हुए एक अलग सेफ पैसेज बनाने की कोशिश की जा रही है। निश्चित रूप से इस मामले में भी इस पर पूरे देश की नजरें टिकी रहीं कि कितनी जल्दी सभी 40 मजदूरों को सुरक्षित निकाला जाता है। मगर यह इस प्रकरण का केवल एक पहलू है। दूसरा उतना ही अहम पहलू है इस पहाड़ी राज्य में चलने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्टों और समय-समय पर होने वाले हादसों का। यह सुरंग बहुचर्चित चार धाम हाईवे प्रॉजेक्ट का हिस्सा है। इस प्रॉजेक्ट पर सवाल उठे थे और मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया था। सरकार ने उस वक्त शीर्ष अदालत में यह दलील दी थी कि देश के रक्षा हितों के मद्देनजर यह परियोजना जरूरी है। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट से योजना को मंजूरी भी मिली थी। यह बात ठीक भी है कि देश के रक्षा हितों से समझौता नहीं किया जा सकता। खैर, शुरुआती खबरों में इस हादसे को भूस्खलन का परिणाम बताया गया है, लेकिन फिलहाल राहत और बचाव कार्यों पर पूरा फोकस होने के कारण उस बारे में विस्तृत और प्रामाणिक सूचना नहीं आई है। यह सुनिश्चित करना होगा कि हादसे से जुड़ी तात्कालिक चुनौतियों से निपटने के बाद इसके कारणों से जुड़ी रिपोर्ट पर भी बारीकी से गौर करते हुए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। पर्यावरण के जानकार हिमालय क्षेत्र में नए कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण को लेकर आगाह करते आए हैं। कुछ समय पहले ही जोशीमठ में जमीन धंसने की घटनाओं को लेकर यह बात दोहराई गई थी। उस वक्त भी कहा गया था कि कुछ प्रॉजेक्ट्स की वजह से जमीन धंसने की प्रक्रिया तेज हुई है। यह बात भी सामने आई थी कि दशकों पहले की रिपोर्ट में संभावित हादसे को लेकर चेतावनी दी गई थी। इसी तरह के सवाल हिमाचल प्रदेश को लेकर भी उठाए जा चुके हैं। चिंता की बात यह है कि एक्सपर्ट्स की ऐसी तमाम सिफारिशें कुछ समय बाद धूल खाने लगती हैं। न तो विकास प्रक्रिया की रफ्तार पर उनका कोई खास असर दिखता है, न उसके स्वरूप में कोई बदलाव नजर आता है। लिहाजा अब वक्त आ गया है कि पहाड़ की खास जरूरतों को समझते हुए वहां के लिए विकास का नया ढांचा बनाया जाए,ताकि पर्यावरण, पहाड, आम जनजनीवन सभी सुरक्षित रहें।

कविता

दिन बचे कुछ शेष !

– कृष्णेन्द्र राय

ना बख्शेंगे किसी को ।
बनी यदि सरकार ।।
दिन बचे कुछ शेष ।
है रहना तैयार ।।
कुछ दिन की मनमानी ।
चाहे जो कर डालो ।।
हमको ही है लौटना ।
खुद को अब संभालो ।।
सबका हमको ध्यान ।
भूल नहीं ये जाना ।।
करके रहेंगे पेश कुछ ।
अलग अब नज़राना ।।
भले बचा ना पाए ।
अपनी हम सरकार ।।
लेकिन कूद लगाने को ।
हो रहे तैयार ।।

आज का इतिहास

- 2012 में आज ही के दिन शी जिनपिंग चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव बने थे।
- 2008 में 15 नवंबर के दिन ही योगेन्द्र मकबाल ने राष्ट्रीय बहुजन कांग्रेस के नाम से नई पार्टी बनाई थी।
- 2007 में आज ही के दिन एरियाना-5 रॉकेट ने ब्रिटेन व ब्राजील के दूरसंचार उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित किया था।
- 2004 में 15 नवंबर के दिन ही अमेरिकी विदेश मंत्री कोलिन पावेल ने पद से इस्तीफ़ा दे दिया था।
- 2000 में आज ही के दिन झारखंड भारत का 28वां राज्य बना था।
- 2000 में 15 नवंबर के दिन ही फिजी में तख्ता पलट अवैध घोषित हुआ था।
- 1989 में आज ही के दिन पाकिस्तान के कराची में वकार यूनुस और सचिन तेंदुलकर ने टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था।
- 1961 में 15 नवंबर के दिन ही संयुक्त राष्ट्र ने परमाणु हथियारों पर रोक लगाई थी।
- 1955 में आज ही के दिन पोलैंड और यूगोस्लाविया के बीच व्यापार समझौते पर साइन किए थे।
- 1947 में 15 नवंबर के दिन ही फिलिस्तीन से ब्रिटिस सेना की वापसी शुरू हुई थी।
- 1923 में आज ही के दिन जर्मनी में मुद्रा स्फीर्ती की दर अत्यधिक उच्चतम स्तर पर जा पहुंची थी।
- 1920 में 15 नवंबर के दिन ही जिनेवा में लीग ऑफ नेशंस की पहली बैठक आयोजित की गई थी।
- 1866 में आज ही के दिन भारत की प्रथम महिला बैरिस्टर कार्नेलिया सोराबजी का जन्म हुआ था।
- 1875 में 15 नवंबर के दिन ही भारत प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एक आदिवासी नेता बिरसा मुण्डा का जन्म हुआ था।
- 1986 में आज ही के दिन प्रसिद्ध भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्ज़ा का जन्म हुआ था।

हमारे लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया की कमियाँ दूर करने की जरूरत

एल. एस. हरदेनिया

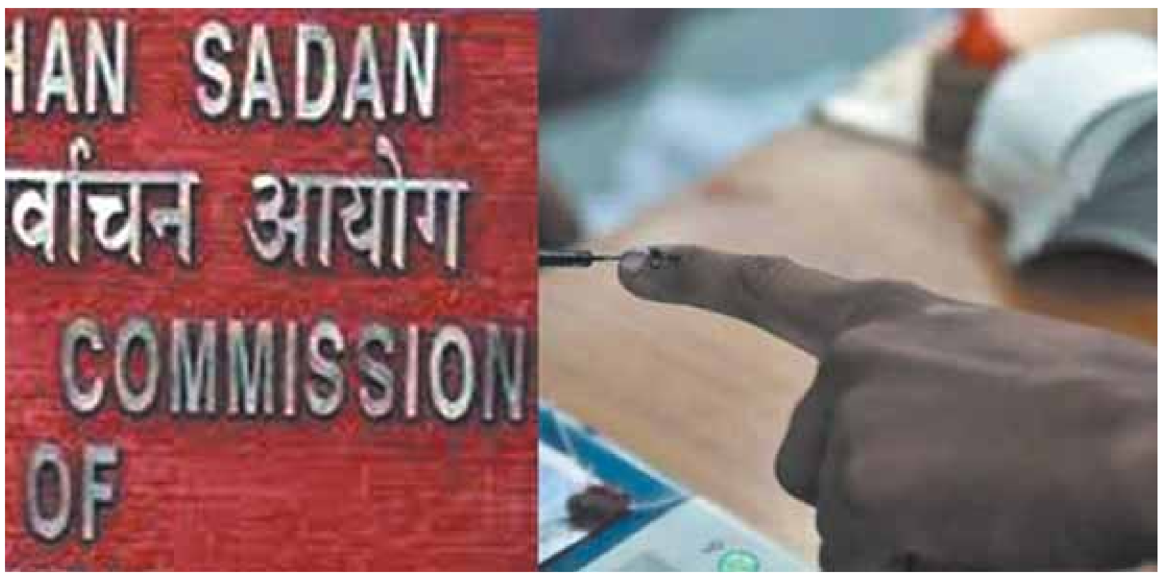

हमारे देश के चुनावों को करोड़पतियों ने हाईजैक कर लिया है। जितने उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरते हैं उनमें से बहुसंख्यक करोड़पति होते हैं। चूंकि वे स्वयं करोड़पति होते हैं इसलिए वे चुने जाने के बाद करोड़पतियों के हितों का ही ख्याल रखते हैं। अब यह निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि भारतीय प्रजातंत्र करोड़पतियों के लिए, करोड़पतियों द्वारा बनायी गई व्यवस्था है।

हमारे संविधान की उद्देशिका में लिखा है भारत एक सेक्युलर, सोशलिस्ट रिपब्लिक है। चुनाव के दौरान यह उद्देशिका पूरी तरह भुला दी जाती है। चुनावों के दौरान सेक्युलरिज्म की कोई चर्चा नहीं होती। उल्टे मतदाताओं से धर्म के नाम पर अपील की जाती है। प्रायः उम्मीदवार मंदिर जाते हैं, भगवान से आशीर्वाद मांगते हैं, बड़ी-बड़ी मन्नतें मांगते हैं, भारी-भरकम चढ़ावा चढ़ाते हैं। जाति का तो कहना ही क्या - उम्मीदवारों का चयन ही जाति के आधार पर होता है। जहां तक सोशलिज्म का सवाल है, लगभग सभी पार्टियां इस शब्द को पूरी तरह भूल गई हैं। सोशलिज्म का उदेश्य समतामूलक समाज का निर्माण करना है। लेकिन इस देश में मुकेश अंबानी रहते हैं, जिनके मकान में तीन सौ कमरे हैं। इस मकान के संदर्भ में प्रसिद्ध शायर कैफी आजमी की वह कविता याद आती है - 'आज की रात बहुत गर्म हवा चलती है, अब इस फुटपाथ पर न सोया जाएगा, तुम भी उठो, हम भी उठें, कोई खिड़की इस दीवार में खुल जाएगी'।

यह बात सिर्फ अंबानी पर लागू नहीं होती। यह स्थिति पूरे देश की है। यह असमानता सिर्फ मकानों व झोपड़ियों तक सीमित नहीं है। यह खेती की जमीन पर भी लागू होती है। यद्यपि हमारे देश में खेती की जमीन पर सीलिंग कानून लागू है परंतु आज भी ऐसे लोग मौजूद हैं जो सैकड़ों एकड़ जमीन के मालिक हैं, जो खुलेआम सीलिंग कानून का उल्लंघन है।

एक और बुनियादी सिद्धांत का पालन नहीं हो रहा है। जिस बड़े पैमाने पर दलबदल कर सरकारें बनाई और गिराई जाती हैं उसके चलते अब चुनाव का कोई मतलब नहीं रह गया है। मध्यप्रदेश में 2020 में जो हुआ वह इसका जीता-जागता उदाहरण है। आप चुनाव किसी घोषणापत्र पर और किसी पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर जीते और चुनाव जीतने के बाद सत्ता की खातिर क्षण भर में उस पार्टी को छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल हो गए। मध्यप्रदेश में जो हुआ था वह अवसरवादिता और सिद्धांतहीनता की पराकाष्ठा थी। जिन लोगों ने दलबदल किया उन्होंने पहले चिल्ला-चिल्लाकर भाजपा को साम्प्रदायिक दल बताया था। सन् 2018 में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा का हमला मुख्यतः ज्योतिरादित्य सिंधिया पर केन्द्रित था। हम 'माफ करो महाराज' नारे को भूल नहीं सकते जो सिंधिया के विरूद्ध बार-बार लगाया गया था। वही सिंधिंया माफ करते हुए कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए।

दलबदल ने हमारे देश में प्रजातंत्र को सिद्धांतहीनता के खंभों पर खड़ा कर दिया है। वैसे द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद दुनिया के जो अनेक देश आजाद हुए थे, उनमें से हमारा देश उन चन्द देशों में से एक है जहां लोकतंत्र कायम है। परंतु दलबदल का दीमक उसे जिस तरह से बर्बाद कर रहा है उससे लगता है कि एक दिन देश का लोकतंत्र ही खतरे में पड़ जाएगा।

भारत में दलबदल की प्रक्रिया को सैद्धांतिक अमली जामा डॉ. राममनोहर लोहिया ने पहिनाया था। उन्होंने नारा दिया था ''जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करती हैं÷। उनका नारा था 'द्ददद्धद्मस्रद्बद्यह्लड्डठ्ठष्ड्ड' उद्धेष्य था कि कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी से बराबर की दूरी रखी जाए। जिंदा कौमें...वाले नारे का मतलब था कि यदि चुनी हुई सरकार गड़बड़ करती है तो उसे पांच साल के पहले ही पलट दो। इस नारे का सहारा लेकर दलबदल शुरू हो गया। अनेक सरकारों को दलबदल के जरिए पलट दिया गया। दलबदल के बारे में एक नया नारा उभरा - 'आया राम गया राम'। इस तरह पहली बार भगवान राम का नाम राजनीति में घसीटा गया। मध्यप्रदेश भी उन राज्यों में से एक था जहां दलबदल से सरकार बदली गई। दलबदल के जरिए सरकारें बदलने की इस प्रक्रिया में जनसंघ की प्रमुख भूमिका रही। इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारिका प्रसाद मिश्र ने सुझाव दिया कि जहां भी ऐसे प्रयास हों वहां की विधानसभा को भंग कर दिया जाए। पंडित मिश्र का यह सुझाव नहीं माना गया। यदि यह सुझाव मान लिया गया होता तो हो सकता है कि दलबदल की प्रवृत्ति समाप्त हो जाती। अब यह प्रवृत्ति इतनी बढ़ गई है कि उसपर काबू पाना बहुत मुश्किल हो गया है। राजनीतिक दलों से यह अपेक्षा करना व्यर्थ है कि वे इस प्रवृत्ति को समाप्त करने में पहल करेंगे।

यदि दलबदल को समाप्त करना है तो इसके लिए आम लोगों को ही पहल करनी होगी। आम लोगों को सांसदों पर इतना दबाव बनाना चाहिए कि वे संसद में दलबदल को पूरी तरह प्रतिबंधित करने वाला कानून बनवाने को बाध्य हो जाएं। परंतु यह हमारा दुर्भाग्य है कि सार्वजनिक मुद्दों पर हमारे देश की जनता संगठित नहीं होती है जैसा पश्चिम के राष्ट्रों में होता है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस आदि ऐसे देश हैं जहां जनता की इच्छा के विरूद्ध कोई काम करना बहुत कठिन होता है। जैसे, यदि अमेरिका ईराक पर हमला करता है तो वहां की जनता सड़कों पर निकलकर इसकी भर्त्सना करती है। हम यह बात अच्छी तरह जानते हैं कि हमारे देश की जनता दलबदल के पूरी तरह विरूद्ध है परंतु दलबदल होने पर वह सड़कों पर निकलकर उसका विरोध नहीं करती। यदि जनता दलबदल करने वाले सांसदों और विधायकों का सामाजिक बहिष्कार करने लगे तो भविष्य में कोई भी सांसद या विधायक दलबदल करने का साहस नहीं करेगा। इसी तरह जो अन्य कमियां हमारे लोकतंत्र में आ गई हैं उन्हें भी प्रबल सामूहिक विरोध के माध्यम से ही दूर किया जा सकेगा।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

आखिर आग से क्यों खेलते हैं राज्यपाल

यथा राजा,तथा प्रजा की कहावत अब पुरानी हो गयी है । नई कहावत है यथा राजा ,तथा राज्यपाल । हमेशा से आग से खेलने के शौकीन रहे हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब के राजयपाल बनवारी लाल पुरोहित के आचरण के मामले में तो ये बात कह ही दी। सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी नहीं देने पर पंजाब के राज्यपाल पर नाखुशी जाहिर की और कहा, ÷आप आग से खेल रहे है। हमारा देश स्थापित परंपराओं पर चल रहा है और उनका पालन किया जाना चाहिए। पंजाब सरकार और राज्यपाल के बीच गतिरोध को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पंजाब में जो हो रहा है, हम उससे खुश नहीं हैं, यह गंभीर चिंता का विषय है. सुप्रीम कोर्ट में इस मुद्दे पर सुनवाई जारी है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है और इन दिनों आम आदमी पार्टी और केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के बीच छत्तीस का आंकड़ा है । आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार के दो मंत्री और एक सांसद भ्र्ष्टाचार के आरोपों के चलते जेल में हैं और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केरीवाल को भी जेल भेजने की पूरी तैयारी हो चुकी है। पंजाब में राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित हैं। वे पंजाब में वो सब कर रहे हैं जो किसी समय पश्चिम बंगाल में तत्कालीन राज्यपाल जगदीश धनकड़ किया करते थे। राज्यपाल का काम केंद्र के घोषित-अघोषित आदेशों का पालन करते हुए राज्य सरकारों की नाक में दम किये रहना होता है। पहले भी होता था और आज भी होता है। इसलिए पंजाब के राज्यपाल पुरोहित जी का कोई दोष नहीं है।

पंजाब सरकार और राज्यपाल के बीच इन दिनों सीधे टकराव की स्थिति है । राज्यपाल जी पंजाब विधानसभा द्वारा पारित तमाम प्रस्तावों पर दस्तखत नहीं कर रह। वे उन्हें विधानसभा को वापस भी नहीं भेज रह। ऐसे में पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। और सुप्रीमकोर्ट ने जो कहा वो न सिर्फ पंजाब के राज्यपाल के आचरण के लिए एक गंभीर टिप्पणी है बल्कि देश भर के तमाम राज्यपालो के लिए भी एक उल्हाना है। सुप्रीम कोर्ट ने बहस के दौरान साफ़-साफ़ कहा कि- क्या राज्यपाल को इस बात का जरा भी अंदेशा है कि वो आग से खेल रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर राज्यपाल को लगता भी है कि बिल गलत तरीके से पास हुआ है तो उसे विधानसभा अध्यक्ष को वापस भेजना चाहिए। कोर्ट ने सवाल किया कि अगर राज्यपाल इसी तरीके से बिल को गैरकानूनी ठहराते रहे तो क्या देश संसदीय लोकतंत्र बचेगा? हमेशा कि तरह सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल राज्य का संवैधानिक मुखिया होता है, लेकिन पंजाब की स्थिति को देखकर लगता है कि सरकार और उनके बीच बड़ा मतभेद है, जो लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है. अब कोर्ट में चूंकि राज्यपाल खुद तो थे नहीं इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के वकील से पूछा कि आप किसी बिल को अनिश्चित काल के लिए नहीं रोक रख सकते हैं? पंजाब सरकार के वकील सिंघवी ने पंजाब सरकार की तरफ से कहा कि बिल रोकने के बहाने राज्यपाल बदला ले रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पूरे मामले पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आखिर संविधान में कहा लिखा है कि राज्यपाल स्पीकर द्वारा बुलाए गए विधानसभा सत्र को अवैध करार दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेरे सामने राज्यपाल के लिखे दो पत्र हैं, जिसमें उन्होंने सरकार को कहा कि चूंकि विधानसभा का सत्र ही वैध तो वो बिल पर अपनी मंजूरी नहीं दे सकते हैं। राज्यपाल ने ये कहा कि वो इस विवाद पर कानूनी सलाह के रहे हैं, हमें कानून के मुताबिक ही चलना होगा.

संतोष की बात ये है कि सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से कहा गया कि राज्यपाल का पत्र आखिरी फैसला नहीं हो सकता है. केंद्र सरकार इस विवाद को सुलझाने के लिए रास्ता निकाल रही है। लेकिन केंद्र सरकार कैसे रास्ता निकाल रही है ये सभी को साफ़ दिखाई दे रहा है।

आपको याद होगा कि कांग्रेस के शासनकाल में राज्यपाल का काम अजय सरकारों को बर्खास्त करने के लिए तब कि सरकार कि मंशा के हिसाब से रिपोर्ट भेजना होता था । भाजपा शासन में राज्यपाल का काम राज्य सरकार से सीधे भिड़ना और उसके कामकाज में बाधा डालना होता है। जो राज्यपाल इस कसौटी पर खरे उतरते हैं वे पदोन्नत होकर और बड़े ओहदे तक पहुँच जाते हैं। जो खरे नहीं उतरते उन्हें घर बैठा दिया जाता है। उदाहरण के लिए पंजाब के ही पूर्व राज्यपाल प्रो कप्तान सिंह सोलंकी। पंजाब की ही तरह दिल्ली के तत्कालीन अनिल बैजल की भूमिका भी इस देश ने देखी है। अब दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना हैं।

आपको याद दिला दूँ कि पंजाब के राज्यपाल से पहले सुप्रीम कोर्ट दिल्ली के उप राज्यपाल के कान भी खींच चुकी है। जब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप राज्यपाल के बीच का विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो सुप्रीम कोर्ट ने अपने फ़ैसले में कहा था कि दिल्ली के उपराज्यपाल के पास स्वतंत्र फ़ैसले लेने का अधिकार नहीं है और उन्हें मंत्रिपरिषद के सहयोग और सलाह पर ही कार्य करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि उपराज्यपाल की भूमिका अवरोधक की नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने अपने फ़ैसले में कहा कि मंत्रिपरिषद के लिए सभी निर्णय उपराज्यपाल को बताए जाने चाहिए, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि उनकी सहमति ज़रूरी है। अदालत के मुताबिक, %%निरंकुशता और अराजकता नहीं होनी चाहिए। %%

सवाल ये है कि राजनीतिक अदावतों के चलते राज्यपाल पद का इस्तेमाल आखिर कब तक किया जाएगा ? सवाल ये भी है कि बनवारी लाल पुरोहित जैसे विज्ञ राजनीतिज्ञ इस पद पर बैठकर कब तक केंद्र कि कठपुतली बनते रहेंगे।? कोई आठवीं पास व्यक्ति राज्यपाल के पद पर बैठकर कठपुतली बने तो समझ में आता है किन्तु जब खूब पढ़ा-लिखा पुरोहित कि क्लास ले नहीं सकता ही कठपुतली बनने को राजी हो जाये तो कोई क्या कर सकता है ? सर्वोच्च न्यायालय कोई दिन-प्रतिदिन तो राज्यपाल की क्लास ले नहीं सकता। वैसे लोकतंत्र में राज्यपाल के पद की कितनी जरूरत बची है ,इस पर भी बहस शुरू होना चाहिए। क्योंकि जो काम पुरोहित जी पंजाब में कर रहे हैं वही काम तमिलनाडु में राज्यपाल आरएन रवि कर रहे हैं। तमिलनाडु की सरकार भी अपने राज्यपाल के आचरण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में खड़ी है। यहां भी कोर्ट अपनी नाराजगी जाहिर कर चुका है।

तमिलनाडु में भी भाजपा की सरकार नहीं है ,इसलिए राज्य सरकार को नाच नाचने का काम राज्यपाल के जिम्मे है। राज्यपाल द्वारा विधेयक पास करने में देरी के खिलाफ तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की हुई है। अब इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल को मामले की सुनवाई में शामिल होने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि तमिलनाडु सरकार ने याचिका में जो मुद्दा उठाया है, वह बेहद चिंताजनक है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

दीपमालाओं से सजा नर्मदा का सेठानी घाट

11 हजार दीप जलाकर दिया मतदाता जागरुकता का संदेश

नर्मदापुरम। मंगल वार को नर्मदा के पावन सेठानी घाट को दीपमालाओं से सजाया गया। लगभग 11000 दीप जलाकर जिले के मतदाताओं को 17 नवंबर को मतदान करने संदेश दिया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों के क्रम में सेठानी घाट पर मंगलवार को दीपोत्सव मनाया गया। जिसमें नर्मदापुरम करेगा 100त्र मतदान और मतदान दिवस 17 नवंबर को रेखांकित किया गया। स्वीप नोडल एवं जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत के मार्गदर्शन में आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम में रिटर्निंग अधिकारी नर्मदापुरम आशीष पांडे, मुख्य पालिका अधिकारी नर्मदापुरम नवनीत पांडे, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ललित कुमार डहरिया सहित नगर पालिका एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे. दीपोत्सव कार्यक्रम में सभी अधिकारी कर्मचारी और घाट पर मौजूद नागरिकों ने 17 नवंबर को मतदान करने और अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

निर्दलीय प्रत्याशी ने वाहन रैली निकालकर जय स्तंभ चौक पर की आमसभा

सिवनी मालवा। कांग्रेस पार्टी से टिकट नहीं मिलने से नाराज चल रहे पूर्व विधायक ओमप्रकाश रघुवंशी ने अपने हजारों समर्थकों के साथ निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सिवनी मालवा विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। हजारों समर्थकों के साथ मंगलवार के दिन बनापुरा से लेकर सिवनी मालवा के जय स्तंभ चौक तक एक विशाल वाहन रैली निकाल कर जयस्तंभ चौक पर हजारों की संख्या में रैली में आए अपने समर्थकों के बीच एक आम सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मेरे पिताजी स्वर्गीय हजारीलाल रघुवंशी ने प्रदेश सरकार में कई विभागों के मंत्री पद पर रहकर क्षेत्र में विकास की गंगा बहाई है उन्होंने सिवनी मालवा विधानसभा सहित पूरे जिले में उनकी जीवन की अंतिम सांस तक लोगों की सेवा की है उन्ही के पद चिन्हों पर चलकर मैं आपको आज वचन देता हूं कि मैं भी आखरी सांस तक सिवनी मालवा विधानसभा की जनता की सेवा करता रहूंगा यह चुनाव कोई आखिरी नहीं है इसके बाद में भी चुनावी मैदान में मैं रहूंगा।

आज सिवनी मालवा में किसानों को समय पर बिजली खाद और नहरे में पानी नहीं मिल रहा है जिसके कारण किसान परेशान है। वही क्षेत्रीय विधायक के पास किशान जाता है तो उनका कहना पड़ता है कि मेरी तो कोई सुनता ही नहीं है अब इस स्थिति में विधायक की अधिकारी नहीं सुनते हो तो उनका कार्य कैसा होगा यह आप लोगों ने भली भांति जान लिया। ओमप्रकाश रघुवंशी ने स्वर्गीय हजारीलाल रघुवंशी द्वारा क्षेत्र में किए गए कई विकास कार्यों को भी गिनवाया।

मोदी सरकार ने देश को एक अलग पहचान दी है : राजनाथ सिंह

सिवनी मालवा। पिछ्ले 9 सालों से केंद्र में भाजपा की सरकार है इन 9 सालों में हम पर कोई उंगली नहीं उठा सकता हमारे किसी भी मंत्री के दामन पर भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे। भाजपा इंसाफ और इंसानियत की लड़ाई लड़ती है हमने जनता की आंखों में धूल झोंक कर नहीं आंख से आंख मिलाकर राजनीति की है। देश में कितना विकास हुआ है यह हम नहीं तमाम संस्थाओं के आंकड़े बताते हैं पहले कांग्रेस की सरकार केंद्र में थी तो कभी ना कभी भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती थी उक्त बात केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सिवनी मालवा में एक विशाल आम सभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 18 साल तक भाजपा की सरकार देखी इससे पहले 50 साल तक आप ने देश में कांग्रेस का शासन देखा जब भी कांग्रेस चुनाव लड़ती है तो कहती है कि हम देश की जनता के लिए लड़ रहे हैं गरीबी समाप्त करेंगे के लिए लड़ रहे हैं लेकिन इतने वर्षों के शासन कल के बाद भी गरीबी दिन प्रतिदिन बढ़ती गई। उन्होंने पूर्व में रही कांग्रेस की सरकार पर जमकर निशाना सादा वही प्रदेश में कांग्रेस की टिकटों को वितरण के लेकर भी कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को भी निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में दर्शन करवाने की नीति को लेकर भाजपा ने फैसला किया है की मध्य प्रदेश में उनकी सरकार आने के बाद बुजुर्ग और महिलाओं को राम मंदिर के दर्शन के लिए अयोध्या ले जाया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी सभी धर्म के लोगों को एक निगाह से देखती है किसी भी व्यक्ति से भेदभाव नहीं करती है,मोदी सरकार ने देश मे फैला भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है। आज भारत दुनिया भर में एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर कर सामने आया है आज भारत की दुनिया के सभी देशों में एक अलग पहचान बनी है। इस दौरान भाजपा के प्रत्याशी सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कलेक्टर एसपी पहुंचे दूरस्थ मतदान केंद्र नादिया

नर्मदपुरम। विधानसभा निर्वाचन की तैयारीयों के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरण सिंह मंगलवार को जिले के पिपरिया विधानसभा के दूरस्थ मतदान केंद्र नादिया पहुंचे। कलेक्टर एवं एसपी ने पंचायत भवन नादिया के पास चौपाल लगाकर ग्रामीणों से आत्मीय चर्चा की। उन्होंने गंभीरता पूर्वक ग्रामीणों की समस्याएं सुनी।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी वाजिब समस्याओं का आचार संहिता उपरांत शीघ्र निराकरण किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के संविधान द्वारा आपको मताधिकार दिया गया है। सभी मतदाता 17 नवंबर के दिन निश्चित रूप से अपने मतदान केंद्र पर जाकर मतदान दें और लोकतंत्र के इस उत्सव में अपनी सहभागिता निभाएं। जिस पर ग्रामीण ने अपनी संतुष्टि जाहिर कर विधानसभा निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की सहर्ष सहमति दी। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत, रिटर्निंग अधिकारी पिपरिया संतोष कुमार तिवारी, एसडीओपी पिपरिया कल्याणी वरकडे, जनपद सीईओ श्री अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के वचन पत्र को लेकर जनता से मांगा आशीर्वाद

कांग्रेस प्रत्याशी गिरिजा शंकर शर्मा ने किया सघन जनसंपर्क

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

आज शाम को चुनाव प्रचार बंद हो जाएगा. प्रचार बंद होने के पूर्व सभी दलों के प्रत्याशी और निर्दलीय प्रत्याशी अंतिम चरण के प्रचार में पूरी ताकत से जुट गए हैं. होशंगाबाद विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी पं. गिरिजाशंकर शर्मा ने मंगलवार को अपने निवास पर के के कार्यकर्ताओं की बैठक ली और सभी से चर्चा करके चुनावी रणनीति बनाई । कार्यकर्ताओं की बैठक के उपरांत अपने समर्थकों के साथ पं. शर्मा ने ग्वालटोली क्षेत्र के वार्ड नंबर 30 एवं 31 में पहुंचकर डोर टू डोर जनसंपर्क किया। मतदाताओं के घर जाकर के कमलनाथ के वचन पत्र को बताते हुए कांग्रेस पार्टी को वोट देने की अपील कर जीत का आशीर्वाद मांगा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनका जगह-जगह स्वागत कर समर्थन देने की बात कही। क्षेत्र में जनसंपर्क के समय उनके साथ कांग्रेस नेता दीपक सिसोदिया, भूपेश थापक, पूर्व पार्षद कैलाश यादव बाबूजी, तेजकुंअर सिसोदिया, महिला नेत्री सीमा श्रीवास, ज्योति मालवीय, हीरालाल अहिरवार, प्रशांत श्रीवास, कपिल यादव, भवानी गौर, सचिन गोठे, रोहित यादव समेत कांग्रेस पदाधिकारी

व समर्थक मौजूद रहे। पं. गिरिजाशंकर शर्मा के समर्थन में वार्ड क्र. 7, 8 एवं 9, 12 एवं 13 में नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी सहित रश्मि दीक्षित, मीना वर्मा, राकेश रघुवंशी, आजाद सिंह भाटिया, विजेंद्र राजपूत, कीर्ति मिश्रा, आनंद थापक, शिवराज चंद्रोल, दीपिका कुलदीप राठोर, विवेक श्रीवास्तव, कपिल श्रोती के नेतृत्व में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। कार्यकर्ताओं ने वार्ड 19 के पार्षद अनोखी राजोरिया के नेतृत्व में सघन जनसंपर्क कर कांग्रेस के वचन पत्र में दर्शाई गई योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पं. गिरिजाशंकर शर्मा के पूर्व में विधायक रहते हुए किए गए कार्यों का जिक्र किया। श्री राजोरिया ने बताया कि इस क्षेत्र के विकास में मुख्य भूमिका पं. गिरिजाशंकर ने अदा की है। नगर के आदमगढ़, बंगाली कालोनी और सिकलीकर मोहल्ला बाढ़ आने से जल मग्न हो जाते थे लेकिन उन्होंने नाले की सफाई कराकर इस समस्या से मुक्ति दिलाई। वार्ड 26 में नौगजे पर नुक्कड़ सभा को पं. गिरिजाशंकर शर्मा व अजय सैनी ने संबोधित किया। उन्होने जनसंवाद कर कहा कि कांग्रेस सरकार आने पर सभी वर्गों के विकास के लिए कमलनाथ के वचन पत्र को पूरा किया जावेगा। इस दौरान कांग्रेसी नेता फैजान उलहक, फिरोज खान , फुरकान, अकरम, पूर्व पार्षद नासिर खान आदि मौजूद रहे। इटारसी में कांग्रेसी पदाधिकारियों मयूर जायसवाल, सीमा भदौरिया, शिवानी शर्मा, वैशाली शर्मा, प्रीति शर्मा, मधु सहारिया, पूर्वा शर्मा, मीना वर्मा दीपिका, रीना जेन, कुंती चौहान, किरप शर्मा आदि मातृशक्ति ने इटारसी नगर के अनेक वार्डो में पहुंचकर सघन जनसंपर्क अभियान चलाया और कांग्रेस पार्टी को वोट देने की अपील की। जनसंवाद के दौरान पं. गिरिजाशंकर शर्मा ने कांग्रेस के वचन पत्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर किसानों का गेहूं 2600 रू प्रति क्विंटल , महिलाओं को 1500 प्रतिमाह, 500 रू में गैस टंकी, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, 5 हार्सपावर निशुल्क बिजली, जय किसान योजनांर्गत 2 लाख तक का ऋण माफी, किसानों पर झूठे मुकदमे वापस, पढ़ो-पढ़ाओ योजनांर्गत कक्षा 1 से 8वी तक बच्चों को 500 रू प्रतिमाह, 9 से 10वी तक के बच्चों को 1000 रू प्रतिमाह तथा कक्षा 11वी व 12वी के बच्चों को 1500 रू प्रतिमाह दिए जायेंगे।

मेट्रो एंकर

बाल दिवस पर बच्चों को बिस्किट के पैकेट बांटे

शहरी युवा मतदाताओं को मतदान के लिए किया प्रेरित

युवा अपने मतदान के अधिकारों के प्रति जागरूक रहें - डॉ.चचाने

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने स्वीप एवं मतदान जागरूकता संबंधी गतिविधियों के तहत युवा शहरी मतदाताओं को मतदान करने के लिए मलीन बस्ती प्रेम नगर एवं संजय नगर जाकर प्रेरित किया. श्री सिंह एवं स्वीप नोडल एस. एस. रावत के निर्देशानुसार मंगलवार को शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत स्वीप एवं मतदान जागरूकता संबंधी गतिविधियों के तहत युवा शहरी मतदाताओं को मतदान करने के लिए मलीन बस्ती प्रेम नगर एवं संजय नगर जाकर प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने एवं डॉ. नीतू पवार के सहयोग से निरंतर महाविद्यालय में स्वीप एवं मतदाता जागरूकता संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही है। स्वयं सेविकाओं ने युवा मतदाताओं एवं शहरी मतदाताओं को शपथ दिलाई और मतदान अवश्य करें इससे संबंधित आमंत्रण पत्र वितरित किए गए । महाविद्यालय की प्राचार्य ने लोकतंत्र की सफलता तभी संभव है जब प्रत्येक युवा मतदान करेंगे क्योंकि निष्पक्ष और प्रभावी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने में प्रत्येक वोट मायने रखता है। युवाओं को देश की प्रगति के लिए मिलकर वोट देना चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने और डॉ. नीतू पवार ने प्रत्येक युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि एक युवा को चाहिए कि वह अपने मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक रहे और मतदान जरूर करें। युवा अपने मतदान के अधिकार का सदुपयोग करके एक अच्छी सरकार को चुने, जिससे हमारे देश का भविष्य उज्जवल होगा और देश विकास की राह पर चलेगा। कु. पूजा गोस्वामी, कु. शिवानी धुर्वे, कु. मुस्कान सोलंकी, कु. मनीषा कहार, कु. शीतल पांडे, कु. सीमा सुनानिया, कु. फिजा खान, कु. संजना सिंह राजपूत ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बाल संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत बाल संरक्षण अधिकारों एवं पॉस्को एक्ट की विस्तृत जानकारी दी। बाल संरक्षण क्लब के सदस्यों ने बाल दिवस के अवसर पर प्रेमनगर स्लम बस्ती के बच्चों को बिस्किट के पैकेट बांटे और स्वच्छता संबंधी समझाइए दी।

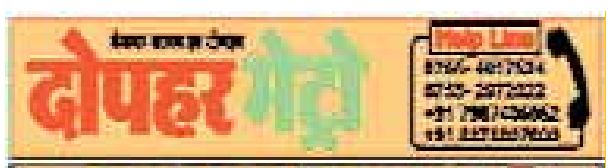

छोटी-बड़ी खबरें

खेतों से नमीं गायब, किसान हो रहे परेशान

रायसेन। जिले में 4 लाख 33 हजार 700 हेक्टेयर क्षेत्र में बोवनी होना है, लेकिन अब तक 75 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में ही बोवनी हो पाई है। मतलब 3 लाख 58 हजार हेक्टेयर क्षेत्र अभी खाली है। इस तरह जिले में सिर्फ 20 फीसदी क्षेत्र में ही रबी सीजन की बोवनी हो पाई है। अभी क्षेत्र में 80 फीसदी बोवनी बाकी है। समय से पहले बारिश थमने का असर अब रबी सीजन की बोवनी पर पड़ रहा है। खेतों की नमी गायब हो गई है। धान कटने के बाद पलेवा करने के लिए किसानों को ट्यूबवेल चलाकर पानी की व्यवस्था करना पड़ रही है, लेकिन उनके इस प्रयास में पर्याप्त बिजली न मिलना बाधक बन रही है। वैसे किसानों को 10 घंटे बिजली देने का प्रावधान है, लेकिन इस शेड्यूल के मुताबिक बिजली नहीं मिल रही है। किसानों की मानें तो 7 से 8 घंटे ही बिजली मिल रही है, वह भी टुकड़ों में। ऐसे में उन्हें दिन और रात में बिजली आने का इंतजार करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों को नहीं मिल रही मूलभूत सुविधाएं

रायसेन। मप्र के कई गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। जिले के सांची और भोजपुर विस क्षेत्र के बीचोंबीच स्थित डामडोंगरी का उपग्राम भील बंजारों का टोला, जहां आज भी विकास की उम्मीद में ग्रामीण आंखें गड़ाए रहते हैं। कभी यहां पर भी बिजली, सड़क, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं होंगी। इस टोले पर करीब 30 परिवार के लोग अपनी झुग्गियां बनाकर रह रहे हैं। यहां के निवासी वीर सिंह ने बताया कि सरकार भले ही विकास के लाख दावे करे लेकिन हमारे गांव तक विकास अभी तक नहीं पहुंचा है। बिजली पानी सड़क कुछ भी नहीं है।

विधानसभा चुनाव : उम्मीदवार झोंक रहे पूरी ताकत

चुनावी मोर्चा : पति को जिताने गांव-गांव, घर-घर पहुंच कर पत्नी मांग रही हैं वोट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा चुनाव को लेकर जैसे-जैसे तारीख नजदीक आती जा रही है तो वैसे ही वैसे ही उम्मीदवार पूरी ताकत झोंकते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी तरह विगत कई दिनों से पति को चुनाव जितने के लिए कंधे से कंधे मिलाकर दिन-रात कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी की पत्नी जो परवरिया क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य पार्वती रघुवंशी शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में मतदाताओं के बीच पहुंचकर अपने पति के लिए चुनाव लिए जी तोड़ मेहनत कर रही हैं।

सुबह से ही पति के साथ क्षेत्र में जनसंपर्क करने के लिए पहुंचती हैं और ऐसा कोई घर नहीं होता जहां पर मतदाता के हाथ में पंपलेट ना बांट रही हो मंगलवार को पति कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की सभा में गए हुए थे। वही पार्वती रघुवंशी ने अपने जिला पंचायत क्षेत्र में पहुंचकर मतदाताओं से सीधा संवाद करके पति के लिए वोट मांग रही थी इनका ग्रामीण जनों के द्वारा जोरदार स्वागत भी किया गया महिलाओं के द्वारा भी खूब आशीर्वाद दिया जा रहा है। एक टीम महिलाओं की इनके साथ मौजूद थी देखने वली बात होगी इनकी मेहनत कितनी रंग लाएगी इसका तो पता 3 दिसंबर को परिणाम के बाद ही चलेगा। जिन ग्रामों में और शहर में पार्वती रघुवंशी पहुंचती है तो वहां पर इनका जोरदार स्वागत किया जा रहा है कहीं पर साफ बांधकर तो कहीं साल श्रीफल कहीं पर मिठाई खिलाकर स्वागत किया जा रहा है। जब से इनके पति को कांग्रेस पार्टी ने सिरोंज लटेरी विधानसभा से उम्मीदवार बनाया है तभी से पति के साथ क्षेत्र में दिन-रात दौड़े कर रही है सुबह 9 बजे निकल जाती है और रात को 2 बजे के करीब घर लौटी हैं। हर दिन नहीं ऊर्जा से कम कर रही है। गगनेंद्र रघुवंशी भी मतदाताओं के बीच पहुंचकर अपने वोट करने के लिए मतदाताओं से आशीर्वाद मांग रहे हैं। इनका भी जगह-जगह स्वागत हो रहा है। इसी तरह इनकी लड़कियां और बड़े भाई वेंकटेश्वर रघुवंशी, छोटे भाई बेटा रामू रघुवंशी भी इनके लिए लगे हुए हैं। वही देखने वाली बात हो गई कि इन सबकी मेहनत कितनी रंग लाएगी मतदाता कितना प्यार स्नेहा इन्हें वोट के रूप में देंगे।

सिरोंज से विदिशा सैकड़ों की संख्या में राहुल की सभा में शामिल होने पहुंचे कांग्रेस के कार्यकर्ता

विदिशा में राहुल गांधी की सभा में शामिल होने सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुये खेल खिलाड़ी प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व नपा अध्यक्ष एडवोकेट शोयेब खांन अपने समर्थकों के साथ सभा में शामिल होने पहुंचे इस दौरान बादशाह खांन, सलीम खांन आदि सैकड़ों कांग्रेस कार्यकता साथ थे।

निर्मला कान्वेन्ट स्कूल में पूर्व छात्र सम्मेलन के साथ मना बाल दिवस

वर्ष 1973 से 1999 बैच के विद्यार्थियों ने सांझा की अपनी यादें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

स्थानीय निर्मला कान्वेन्ट हायर स्कूल के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित पूर्व छात्र सम्मलेन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के स्थापना वर्ष 1973 के प्रथम बैच से लेकर वर्ष 1999 बैच के पूर्व विद्यार्थी एवं पूर्व शिक्षकगण शामिल हुये। कार्यक्रम के प्रारंभ में पूर्व विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया। इसके उपरांत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें प्रार्थना नृत्य, गीत एवं नाटक का मंचन किया गया। इस अवसर पर पूर्व विद्यार्थियों की खेल प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण संस्था की प्राचार्य सिस्टर ऐंजलिन के द्वारा दिया गया।

अपने उद्बोधन में उनके द्वारा बाल दिवस की शुभकामनायें देते हुये कहा कि संस्था आज जिस ऊंचाई पर है उसमें आपका सहयोग अत्यंत महती है बिना आपके सहयोग के यह सफलता अर्जित करना संभव नहीं है। संस्था के वर्ष 1974 बैच के पूर्व छात्र डॉ. रोहिताश्व शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभवो को सांझा करते हुये विद्यालय के प्रबंधन अनुशासन एवं उत्कृष्ट शिक्षा की सराहना की। इसी क्रम में पूर्व छात्र तथा वर्तमान में इंदौर अस्पताल में पदस्थ आर्थोपेडिक्स डॉ अविनाश जैन, मुलताई के निजी विद्यालय की प्राचार्य और संस्था की पूर्व छात्रा वर्षा जैन, यूएस से पधारी पूर्व छात्रा विधि जैन, व्यवसायी मोहम्मद फईम बेग, बिल्डर मुनव्वर खा तथा कम्प्यूटर संस्था की संचालक शहनाज ने भी कार्यक्रम में अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभवों को सांझा किया। संस्था के वरिष्ठ शिक्षक अनिल जैन के द्वारा कार्यक्रम में संस्था के पूर्व छात्र जो अब हमारे बीच नहीं रहे ऐसे विद्यार्थियों को याद कर उन्हें श्रृद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक फाइर एण्टोनी के द्वारा कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य एवं उसके प्रभाव पर प्रकाश डालते हुये कहा कि अपने पूर्व साथियों के साथ सतत संपर्क में रहें एक संगठन की तरह समाजिक एवं रचनात्मक कार्य करते रहें। आपके साथियों में यदि कोई जरूरतमंद है तो उनकी सहायता के लिये आगे आयें तथा भविष्य में भी संस्था से जुड़े रहें। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन डॉ सादिक अली खान सेवानिवृत्त प्राचार्य ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश नारायण शर्मा, डॉ. असमा सादिक ने किया, कार्यक्रम के व्यवस्थापक संदीप शर्मा, अल्ताफ अहमद, रजनी शर्मा, नीति चौरसिया रहे। इस अवसर पर संस्था के अनेक पूर्व शिक्षक मृदुला भार्गव, आशा भार्गव, कदीर हासमी, अरशद सिद्दीकी सहित अनेक पूर्व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिले में बाहरी व्यक्तियों के आने पर कलेक्टर ने लगाया प्रतिबंध

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा चुनाव शांति पूर्ण मतदान संपन्न कराने को लेकर कलेक्टर व जिला दंडाधिकारी उमाशंकर भार्गव ने दूसरे जिले के लोगों के आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। विदिशा जिले में 15 से 17 नवंबर तक जिले में बाहरी व्यक्ति के आने पर प्रतिबंध रहेगा। मतदान खत्म होने के 48 घण्टे पहले जिले में आए बाहरी व्यक्ति को जिले से बाहर भी जाना होगा। यह आदेश कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी उमाशंकर भार्गव द्वारा जारी धारा 144 के तहत जारी नवीन आदेश में क्रियाशील हो गया हैं। दरअसल पहले हुए चुनावों में हुई हिंसात्मक घटनाओं को देखते हुए यह आदेश दिया गया है। जिले की सभी पांचों विधानसभाओं के इलाकों में असामाजिक तत्वों के आवागमन को रोकने और मतदान दिवस 17 नवम्बर को हिंसात्मक घटनाओं की संभावना को देखते हुए, मतदान निष्पक्ष रूप से कराने के लिये आदेश जारी किया है। कलेक्टर ने 15 नवंबर से 17 नवम्बर तक जिले में बाहरी व्यक्तियों के आने पर प्रतिबंध लगाते हुए पुलिस अधीक्षक व कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग को आदेश दिये हैं। कि जिला विदिशा के सीमावर्ती सीमा पर अस्थाई चौकियां स्थापित कर बाहरी असामाजिक तत्वों के व्यक्तियों के आवागमन पर रोक लगाएं।

डेंगू का असर: नवंबर में मिले 82

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

पहली बार शहर को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाले डेंगू का असर नवंबर शुरू होने के बाद कम नहीं हुआ है। नवंबर के 14 दिन में 82 से ज्यादा मरीज मिल चुके हैं। वहीं इससे पहले अक्टूबर में 172 मरीज मिले थे। हॉस्पिटल में पहुंच रहे डेंगू के मरीजों में हर उम्र के लोग हैं। हेल्थ डिपार्टमेंट ने लोगों को अभी भी घरों और घरों के आसपास पानी जमा होने देने की हिदायत दी है। क्योंकि सुबह शाम की ठंड के बावजूद दिन का तापमान डेंगू के मच्छरों को पनपने में पूरी मदद कर रहा है। डॉक्टरों की मानें तो दिन का तापमान 25 डिग्री से नीचे आने के बाद ही इन दोनों बीमारियों के मच्छर मरना शुरू होंगे।

मेट्रो एंकर — मान्यतानुसार गोबर से भगवान गोवर्धन जी का चित्र बनाया

गोवर्धन महाराज की हुई पूजन, रामलला सरकार में हुआ अन्नकूट, पड़ौ की हुई लड़ाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मंगलवार को नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ गोवर्धन महाराज की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई घरों और मंदिरों पर गोबर से भगवान गोवर्धन जी का चित्र बनाया गया उसके बाद दूध दही खीर आदि का भोग अर्पित किया गया।

प्राचीन काल से मानता है कि जब रक्षा के द्वारा गोकुल वासियों पर बारिश का तूफान मचाया गया तो उनकी रक्षा के लिए भगवान श्री कृष्ण ने छिंगली पर गोवर्धन पर्वत धारण करके उनकी रक्षा की थी तभी से गोवर्धन पर्वत की पूजा अर्चना की गई थी तभी से प्रारंभ हुआ है जिसको आज भी उसी परंपरा के अनुसार किया जा रहा है। पडमा के दिन गोवर्धन पर्वत की पूजन का विशेष महत्व बताया गया है। इसके अलावा नगर के प्रसिद्ध मंदिर रामलाल सरकार मंदिर पर अन्य कूट का आयोजन भी किया गया सरकार को अन्य कूट का भोग लगाकर फिर आरती हुई इसके उपरांत प्रसादी का वितरण किया गया बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सरकार के दर्शन करके प्रसादी ग्रहण की अन्य स्थानों पर भी अन्य कूट का आयोजन हुआ दूसरी ओर पड़ा लड़ने का काम भी कई लोगों के द्वारा किया गया जिसके चलते अलीगंज की पहाड़ी आदि क्षेत्रों में पड़ौ की लड़ाई देखने के लिए भी लोगों की भीड़ लगी रही आज भी पडौ की लड़ाई होगी वैसे शासन के द्वारा किसी भी तरह की अनुमति नहीं दी जाती है। फिर भी पड़ कोलगाने के शौकीनों के द्वारा गुपचुप तरीके से इस काम को किया जाता है। कई बार छोटी-मोटी दुर्घटनाएं हो चुकी है फिर भी इस को समाप्त नहीं किया जा रहा है।

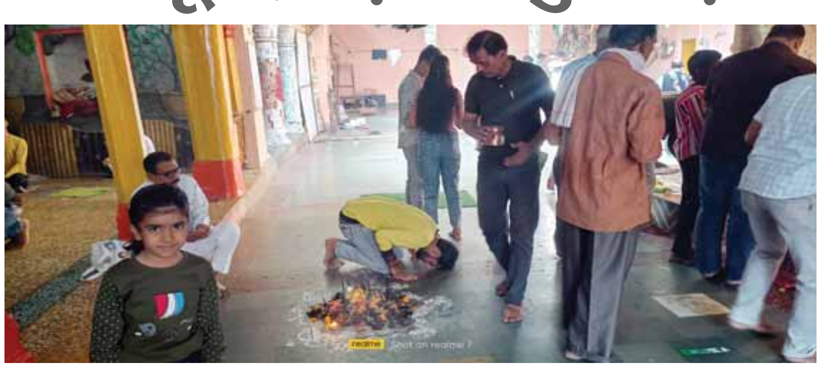

पहली बार रोबोटिक्स ओलिंपियाड में भारतीय टीम ने ब्रॉन्ज जीता

पनामा, एजेंसी

भारतीय टीम ने पनामा सिटी में हुए वर्ल्ड रोबोट ओलंपियाड में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारत की ओर से पोर्टकी नाम की टीम ने शिरकत किया था। टीम ने इंटरनेशनल इन द फ्यूचर इनोवेटर्स कैटेगरी में यह उपलब्धि हासिल की। धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ने वाले शौर्य सुले, रेहान धांधिया और रिया सांघवी ने बेहतरीन खेल दिखाया। यह इस कैटेगरी में भारत का पहला मेडल है। मलेशिया पहले और अमेरिका दूसरे नंबर पर रहा। इस साल 85 से ज्यादा देशों के 1200 से ज्यादा बच्चों ने रोबोटिक्स ओलिंपियाड में हिस्सा लिया था।

शिपिंग को बेहतर बनाना की थीम पर हुआ मुकाबला

इस साल डब्ल्यूआरओ का मिशन ऐसे रोबोटिक समाधानों की तलाश करना था जो पानी पर शिपिंग को अधिक कुशल, सुरक्षित और पर्यावरण फ्रेंडली बनाने में मदद करे। टीम पोर्टकी ने एक्वाफ्लो प्रजेंट किया, जो एक पूरी तरह से ऑटोमेटेड कार्गो ट्रांसपोर्ट सिस्टम है। इसे समुद्र के नीचे सुरंगों के नेटवर्क के अंदर ऑपरेट करने के लिए डिजाइन किया गया है।

शिपिंग को बेहतर बनाना की थीम पर हुआ मुकाबला

इस साल डब्ल्यूआरओ का मिशन ऐसे रोबोटिक समाधानों की तलाश करना था जो पानी पर शिपिंग को अधिक कुशल, सुरक्षित और पर्यावरण फ्रेंडली बनाने में मदद करे। टीम पोर्टकी ने एक्वाफ्लो प्रजेंट किया, जो एक पूरी तरह से ऑटोमेटेड कार्गो ट्रांसपोर्ट सिस्टम है। इसे समुद्र के नीचे सुरंगों के नेटवर्क के अंदर ऑपरेट करने के लिए डिजाइन किया है। पहला आयोजन 2004 में हुआ था। यह ग्लोबल रोबोटिक्स कॉम्पटीशन है। इसका मिशन विश्व स्तर पर साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमेटिक्स एजुकेशन को आगे बढ़ावा देना है।

तीन विश्व कप में हुए शामिल

टीम ने नेशनल चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था। टीम पोर्टकी ने इससे पहले इंडिया STEM फाउंडेशन की ओर से सितंबर में दिल्ली में हुए नेशनल चैंपियनशिप में पहला स्थान हासिल किया था। इस नतीजे की वजह से ही टीम को इंटरनेशनल फ्यूचर इनोवेटर्स कैटेगरी में भारत को रिप्रजेंट करने का मौका मिला था। कॉम्पटीशन में 4 अलग-अलग कैटेगरीज रोबोमिशन, रोबोस्पोर्ट्स, फ्यूचर इनोवेटर्स और फ्यूचर इंजीनियर्स शामिल है। सभी कैटेगरी की टीम में तीन मेंबर और एक कोच शामिल होते हैं। इसमें ऐज कैटगरी भी है। 11 से 15 साल की आयु के पार्टिसिपेंट्स को जूनियर हाई माना जाता है।

वर्ल्ड कप

सूर्यकुमार को बेस्ट-फील्डर का मेडल मिला

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए वर्ल्ड कप के 45वें मैच में नीदरलैंड को हरा दिया था। नीदरलैंड के खिलाफ सूर्यकुमार यादव को बेस्ट फील्डर का मेडल मिला। उन्हें लेफ्ट-आर्म थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट कोच नुवान सेनेविरे ने मेडल पहनाया। टीम इंडिया ने बेस्ट फील्डिंग के लिए मेडल की घोषणा इस बार भी एक अलग अंदाज में की। दरअसल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपनी वेबसाइट और एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें भारतीय खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में नजर आ रहे हैं। टीम इंडिया के फील्डिंग कोच ने टी दिलीप सभी खिलाड़ियों की तारीफ की। इसके बाद फील्डिंग कोच दिलीप सभी खिलाड़ियों को लेकर मैदान में चले गए। केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव और रवींद्र जडेजा को फील्डर ऑफ द मैच अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

पाकिस्तान में होगी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए आठ टीमों के बीच भिड़ंत

साल 2025 में टूर्नामेंट होगा

टूर्नामेंट में श्रीलंका- नीदरलैंड बाहर, टेस्ट खेलने वाली जिम्बाब्वे- वेस्टइंडीज की टीम भी नहीं आएगी नजर

नईदिल्ली, एजेंसी

वनडे वर्ल्ड कप के लीग मैच खत्म हो गए हैं। इसके साथ ही 2025 में पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी टीमें तय हो गई हैं। श्रीलंका और नीदरलैंड की टीमें इस टूर्नामेंट की होड़ से बाहर हो गई हैं। वहीं टेस्ट खेलने वाली वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीम भी पाकिस्तान में नहीं दिखेगी। चैंपियंस ट्रॉफी में पिछली बार (2017) की तरह 8 टीमें हिस्सा लेंगी। ये टीमें वर्ल्ड कप 2023 के पॉइंट्स टेबल के आधार पर तय हुई हैं। ऐसे में वर्ल्ड कप लीग की समाप्ति के बाद पॉइंट्स टेबल में 9वें स्थान पर रहने वाली श्रीलंका टीम और 10वें स्थान पर रहने वाली नीदरलैंड की टीम नहीं खेलेगी।

नीदरलैंड, बांग्लादेश और श्रीलंका ने जीते- 2-2 मैच

श्रीलंका अपने 9 लीग मैचों में से केवल 2 मैच ही जीत पाई और उसे 7 में हार का सामना करना पड़ा था। 1996 में वर्ल्ड कप जीतने वाली श्रीलंकाई टीम वर्ल्ड कप 2023 के लिए भी क्वालिफायर खेलकर आई थी। श्रीलंका को वर्ल्डकप में अफगानिस्तान से भी हार का सामना करना पड़ा। वहीं, नीदरलैंड ने भी 2 मैच जीत कर पॉइंट टेबल में 4 अंक अर्जित किए। इतने ही पॉइंट बांग्लादेश और श्रीलंका के भी हैं, लेकिन इन दोनों की तुलना में रनरेट खराब होने की वजह से वह 10वें स्थान पर है। बांग्लादेश आठवें और श्रीलंका नौवें स्थान पर मौजूद है। नीदरलैंड ने भी क्वालिफायर के जरिए वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लिए क्वालिफाई किया था।

वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे और आयरलैंड जैसी टीमें बिना खेले बाहर

बता दें कि क्वालिफिकेशन नियम के चलते टेस्ट प्लेइंग नेशन वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे और आयरलैंड वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही बाहर हो गए। तीनों टीमें वनडे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर सके, इसलिए उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालिफिकेशन का मौका भी नहीं मिला।

साल 2025 और 2029 की चैंपियंस ट्रॉफी में 15 मैच खेले जाएंगे

2025 की चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान और 2029 की चैंपियंस ट्रॉफी भारत में खेली जाएगी। दोनों में पिछले 2 टूर्नामेंट की तरह 8 टीमें होंगी। इन्हें 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। ग्रुप स्टेज में 12 मैचों के बाद 2 सेमीफाइनल और एक फाइनल मिलाकर टूर्नामेंट में कुल 15 मुकाबले होंगे। डिफेंडिंग चैंपियन है पाकिस्तान, भारत को हराकर जीता था खिताब 2017 में आखिरी बार इंग्लैंड में चैंपियंस ट्रॉफी हुई थी, टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को हराकर खिताब जीता था। उससे पहले 2013 में भारत ने टूर्नामेंट जीता था, टीम ने इंग्लैंड को फाइनल हराया था। आईसीसी का ये टूर्नामेंट वैसे तो 4 साल में एक बार होना तय है, लेकिन बिजी शेड्यूल के चलते इसे 2021 में आयोजित नहीं किया गया।

ब्रॉडकास्टर ने जताई चिंता

दरअसल, वनडे वर्ल्ड कप में दर्शकों की वनडे फॉर्मेट की घटती रूचि ने आईसीसी के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स को परेशान कर दिया है. इस बार का वर्ल्ड कप भी भारत में ही हो रहा है, लेकिन जिस मैच में भारत नहीं खेलता, उस मैच में दर्शकों की संख्या काफी कम होती है. इस बात से आईसीसी के तमाम ब्रॉडकास्टर्स परेशान हैं और उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी को 20 ओवर के फॉर्मेट में करने की वकालत की है. हालांकि, इसके बारे में आईसीसी की ओर से कोई फैसला नहीं आया है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक ब्रॉडकास्टर्स ने आईसीसी से अनुरोध किया है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में 50 ओवर के फॉर्मेट के बजाय 20 ओवर के फॉर्मेट में कराया जाए।

सेमीफाइनल: वानखेड़े में आज भारत-न्यूजीलैंड की टक्कर

मुंबई, एजेंसी

वर्ल्ड कप 2023 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला आज खेला जाएगा. इसमें भारत और न्यूजीलैंड की टीमें टक्कर लेंगी. मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दोपहर डेढ़ बजे टॉस होगा और यही वह पल होगा जहां काफी हद तक जीत और हार तय हो जाएगी. ऐसा इसलिए क्योंकि वानखेड़े स्टेडियम के हालिया रिकॉर्ड यही कहानी बयां कर रहे हैं. वानखेड़े में अब तक इस वर्ल्ड कप के चार मुकाबले खेले जा चुके हैं. चारों मुकाबले डे-नाइट रहे हैं और इन चारों में एक ही जैसी परिस्थितियां बनी है. चारों मैचों में यहां दोपहर में बल्लेबाजी करना बेहद आसान नजर आया है लेकिन रात में दूसरी पारी में बैटिंग चुनौती रही है. दूसरी पारी के शुरुआती 20 ओवर बल्लेबाजी करने वाली टीम के लिए बुरे सपने की तरह रहे हैं. वर्ल्ड कप 2023 में वानखेड़े में हुए शुरुआती तीनों मुकाबलों में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने विशाल स्कोर बनाया है और रन चेज करने वाली टीम को सस्ते में ढेर कर बड़ी जीत हासिल की है. एकमात्र ऑस्ट्रेलिया-अफगानिस्तान मैच में सफल रन चेज रहा है. हालांकि यहां भी अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलियो को दूसरी पारी में 100 रन के भीतर ही सात झटके दे डाले थे. वहीं पिच का मिजाज आज भी वैसा ही रहने का अनुमान है, जो इस वर्ल्ड कप में यहां पिछले चार मैचों में रहा है. यानी टॉस जीतो मैच जीतो वाला फॉर्मूला कारगर होगा. यहां दोपहर में बल्लेबाजी आसान रहेगी लेकिन रात में दूसरी पारी के शुरुआती 20 ओवर में तेज गेंदबाज हावी रहेंगे।

कपिल देव ने किया बाबर आजम का बचाव

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत को पहला वनडे वर्ल्ड कप दिलाने वाले टीम इंडिया के कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम का बचाव किया है और उनके समर्थन में उतर आए हैं। पाकिस्तान के वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में नहीं पहुंचने के बाद टीम के कप्तान बाबर आजम की पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर आलोचना कर रहे हैं और उन्हें कप्तानी से हटाने की मांग की जा रही है। इस बीच भारत को वनडे वर्ल्ड कप का पहला खिताब दिलाने वाले कप्तान कपिल देव ने एक यूट्ब चैनल को दिए इंटरव्यू में बाबर का बचाव किया। उन्होंने कहा कि खराब प्रदर्शन के बावजूद उन्हें हटाना ठीक नहीं है। कभी भी करेंट परफॉर्मेंस पर नहीं जाना चाहिए, उसने पीछे कैसा परफॉर्मेंस किया है उस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही कप्तान था जिसने 6 महीने पहले पाकिस्तान टीम को नंबर वन बनाया है। जब कोई जीरो बनाता है तो अगर आप ओपिनियन लोगे पब्लिक की तो 99 प्रतिशत उसको ड्रॉप करने को बोलेंगे। एक ऑर्डिनरी प्लेयर आता है ब्रिलिएंट इनिंग खेलता है तो लोग कहेंगे यही सुपरस्टार है। कभी भी करेंट परफॉर्मेंस पर नहीं जाना चाहिए।

मेट्रो बाजार

अक्टूबर में थोक महंगाई घटकर 0.52 फीसदी पर आई

नईदिल्ली, एजेंसी

खाने-पीने के सामानों में गिरावट के बीच अक्टूबर महीने में भारत की थोक महंगाई दर घटकर -0.52 फीसदी पर आ गई है। यह लगातार सातवां महीना है जब थोक महंगाई शून्य से नीचे रही है। इससे पहले सितंबर में थोक महंगाई -0.26 फीसदी थी। वहीं अगस्त में यह -0.52 फीसदी थी। पिछले साल अक्टूबर में यह 8.39 फीसदी थी। सरकार हर महीने होलसेल प्राइस इंडेक्स यानी WPI के आंकड़े जारी करती है। इससे पहले सोमवार यानी 13 अक्टूबर को रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए गए थे। रिटेल महंगाई भी 5 महीने के निचले स्तर 4.87 फीसदी पर रही थी। अक्टूबर में खाद्य महंगाई दर सितंबर के मुकाबले 1.54 फीसदी से घटकर 1.07 फीसदी रही है। रोजाना जरूरत के सामानों की महंगाई दर 3.70 फीसदी से घटकर 1.82 फीसदी रही है। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए WPI को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। महंगाई का निगेटिव में रहना भी इकोनॉमी पर प्रभाव डालता है। इसे डिफ्लेशन कहा जाता है। निगेटिव महंगाई तब होती है वस्तुओं की आपूर्ति उन वस्तुओं की मांग से ज्यादा हो जाती है। इससे दाम गिर जाते हैं और कंपनियों का प्रॉफिट घट जाता है। प्रॉफिट घटता है तो कंपनियां वर्कर्स को निकलाती हैं और अपने कुछ प्लांट या स्टोर भी बंद कर देती हैं।

19 साल बाद आ रहा टाटा ग्रुप का आईपीओ 22 को

नईदिल्ली, एजेंसी

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ 22 नवंबर को पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा, जिसके लिए कंपनी 6.08 करोड़ इक्विटी शेयर बेचेगी। टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ऑटोमोबाइल की दिग्गज कंपनी टाटा मोटर्स की सब्सिडियरी है। टाटा ग्रुप करीब 19 साल बाद कोई आईपीओ लेकर आ रहा है। इससे पहले साल 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का आईपीओ आया था। चार महीने पहले कंपनी को आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ने मंजूरी दी थी। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 24 नवंबर तक बोली लगा सकेंगे। 5 दिसंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अभी आईपीओ का प्राइस बैंड और लॉट लाइज के बारे में जानकारी नहीं दी है। जल्द ही कंपनी इसके बारे में जानकारी देगी, जिसके बाद ही मिनिमम और मैक्सिमम इन्वेस्टमेंट के बारे में जानकारी सामने आ सकेगी। कंपनी आईपीओ का 50 फीसदी हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व रखा गया है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों को छोड़ चुकी है जूही चावला

जूही चावला 56 साल की हो चुकी हैं। इसी बीच उनका एक पुराना इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि करिश्मा कपूर को मिले स्टारडम का कारण वो खुद हैं, क्योंकि उनकी छोड़ी हुई फिल्म से ही वो पॉपुलर हुई थीं। उन्होंने ये भी कहा कि उनकी छोड़ी हुई कई फिल्में ब्लॉकबस्टर रहीं, जिससे कई लोगों को स्टारडम मिला था।

माधुरी के साथ सेकेंड लीड रोल मिला, तो ठुकराई थी फिल्म

1997 में रिलीज हुई फिल्म में माधुरी दीक्षित लीड रोल में थीं और करिश्मा कपूर सेकेंड लीड एक्ट्रेस थीं। हालांकि करिश्मा से पहले वो रोल जूही चावला को दिया गया था। जूही नहीं चाहती थीं कि वो उस समय माधुरी के साथ सेकेंड लीड में नजर आएं, इसलिए उन्होंने फिल्म करने से इनकार कर दिया था। इसका एक कारण ये भी था कि उस समय दोनों ही टॉप एक्ट्रेसेस में से एक थीं। 90 की टॉप एक्ट्रेस रहीं जूही चावला और माधुरी दीक्षित साल 2014 की फिल्म गुलाब गैंग में साथ दिखी थीं। फिल्म प्रमोशन के सिलसिले में रेडिफ को दिए एक इंटरव्यू में जूही ने माधुरी के साथ पहले कभी काम न करने की वजह बताई थी। उन्होंने कहा था, मुझे सिर्फ एक बार माधुरी के साथ फिल्म दिल तो पागल है मैं काम करने का मौका मिला था। लेकिन उस समय मैं सेकेंड लीड नहीं करना चाहती थी। उस समय मेरे दिमाग में बस यही आया था। हम कई बार बचकाने फैसले ले लेते हैं। मैंने राजा हिंदुस्तानी और जुदाई भी ठुकराई थीं। ये फिल्में आगे जाकर ब्लॉकबस्टर बनीं।

जब मैं मुंबई आई थी तो उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था

दीपिका पादुकोण जब इंडस्ट्री में नई थीं तो उन्हें भारत छोड़ने की सलाह मिली थी। लोगों ने दीपिका से कहा कि उन्हें पेरिस, न्यूयॉर्क या मिलान (इटली का शहर) चले जाना चाहिए। हालांकि दीपिका अपने देश में ही रहकर काम करना चाहती थीं। उन्होंने यहीं पर काम करना जारी रखा। दीपिका ने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म के अस्तित्व पर भी बात की। दीपिका ने कहा कि इंडस्ट्री में पहले भी नेपोटिज्म था और आज भी है। दीपिका ने कहा कि जब वो मुंबई आईं तो उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। खाने और रहने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। शहर में कोई अपना नहीं था। हालांकि इन तमाम कठिनाइयों के बावजूद दीपिका ने हार नहीं मानी और मेहनत करना जारी रखा। नतीजतन दीपिका आज इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हैं। दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू में कहा-आज से 15-20 साल पहले भी नेपोटिज्म था। हमारे पास कोई दूसरा ऑप्शन नहीं था। हमारे पेरेंट्स इस फील्ड से नहीं थे, इसलिए हमारे लिए किसी भी कीमत पर खुद को साबित करना था। नेपोटिज्म का रहना उस वक्त भी कोई नई चीज नहीं थी और आज भी नहीं है। मैं जब इंडस्ट्री में एंटर हो रही थी, उस वक्त लोगों ने मुझसे कहा कि फॉरेन चली जाओ। मुझे लगता था कि ये देश मेरा है और मुझे यही पर काम करना है।

बद्रीनाथ मंदिर पहुंची शहनाज

शहनाज गिल ने इस साल की दिवाली बद्रीनाथ मंदिर में दर्शन करके मनाई। शहनाज ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटोज शेयर कीं। उन्होंने कैप्शन में हाथ जोड़े हुए, पहाड़ों का और मंदिर का इमोजी डाला हुआ था। फोटो में शहनाज मंदिर के सामने ब्लू जैकेट पहने, शॉल ओड़े और टोपी पहने हुए नजर आईं। शहनाज गिल ने हाल ही में सोशल मीडिया पर उत्तराखंड की उरगम वैली के भी फोटोज और वीडियो शेयर किए। वीडियो में शहनाज कभी पहाड़ों के बीच दौड़ती नजर आ रही हैं तो कभी खुले आसमान के नीचे कड़ाई में खाना बनाते हुए। खाना बनाते वक्त उन्हें डांस स्टेप्स करते भी देखा गया। इतना ही नहीं कभी वे रजाई के अंदर बैठी गाना गुनगुनाते हुए दिखीं तो कभी उरगम वैली की गलियों में घूमती हुईं। शहनाज गिल की 6 अक्टूबर को फिल्म 'थैंक यू फॉर कमिंग' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर और कुशा कपिला भी थीं। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई थी और फ्लॉप साबित हुई। बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने भी हाल ही में केदारनाथ दर्शन किए थे। उन्होंने 30 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर वीडियोज भी शेयर किए थे। बता दें, सारा अक्सर केदारनाथ के दर्शन करने के लिए जाती रहती हैं।

मीणा समाज और सिलावट समाज के दो पक्ष आपस में भिड़े, डंडे और धारदार हथियार से किया हमला

निपानिया गांव में दो पक्षों में विवाद के बाद बलवा, दोनों ही पक्षों के लोगों को आई गंभीर चोट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित सूखी निपानिया गांव में मीणा समाज और सिलावट समाज के बीच चली आ रही रंजिश ने मंगलवार सुबह बलवा का रूप ले लिया। त्यौहार का दिन होने के कारण दोनों समाज के दो दर्जन से अधिक लोग आमने सामने हो गए और एक-दूसरे पर लाठी डंडे और धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति पर काबू पा लिया। इस बलवा में दोनों पक्षों की ओर से हुए हमले में दर्जनभर लोगों को गंभीर चोट आई है। सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने उक्त मामले में काउंटर प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि घायलों के स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

पुलिस के अनुसार सूखी निपानिया गांव में मीणा समाज और सिलावट समाज बीच पुराना विवाद चल रहा है। मई के महीने में विवाद हुआ था और दोनों पक्षों की तरफ से एक दूसरे से मारपीट और बलवा किया गया था। मंगलवार को त्यौहार का दिन था और गांव में चहल पहल थी। इसी बीच सूखी निपानिया गौशाला के पास दोनों पक्षों के लोग आमने सामने आ गए। इस दौरान गांव के लोगों को पता चला कि तो वह अपने अपने समाज के लोगों की तरफ विवाद में उतर आए। दोनों ही पक्षों ने एक दूसरे पर डंडे और लाठी समेत धारदार हथियार से हमला कर दिया।

काउंटर प्रकरण दर्ज

पुलिस ने उक्त मामले में अरविंद मीणा की शिकायत पर चिंटू, राहुल, शिवा, विशाल, बबलू, करण, रवि, बेनी प्रसाद और लक्की पर हत्या के प्रयास, बलवा, गालीगलौज और मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया है, वहीं पिंटू सिलावट की शिकायत पर अरविंद मीणा, हुकूम, आशीष, मंगल, भोजराज, प्रदीप, जीतमल और राकेश पर हत्या के प्रयास, बलवा, मारपीट समेत जाति से अपमानित करने का मामला दर्ज किया है।

डीआरडीओ से रिटायर्ड अधिकारी के घर डकैती करने वालों का नहीं लगा सुराग

समय पर नहीं पहुंचती पुलिस तो रिटायर्ड अधिकारी व बेटे को हो सकता था खतरा

दो बाइक छोड़कर भागे थे डकैत, तीसरी स्पोर्ट्स बाइक आर वन फाइव-200 सूखीसेवनिया से बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित राजधानी परिसर फेस-2 में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात डीआरडीओ से रिटायर्ड अधिकारी के घर डकैती डालने वाले डकैतों का सुराग नहीं लगा है। पुलिस की मुस्तैदी के कारण बड़ी वारदात होने से टल गई। हालांकि डकैत घर से सोने चांदी के जेवरात और तीन मोटर साइकिल चुराकर ले गएइ्थे। तीन बाइक में दो बाइक आरोपियों ने डायल 100 को देखकर रास्ते में ही छोड़ दी, जबकि तीसरी बाइक आर वन फाइव 200 पुलिस को सूखीसेवनिया से मिल गई है। यदि समय पर पुलिस नहीं पहुंचती डकैत पिता-पुत्र पर हमला कर जान को नुकसान पहुंचा सकते थे।

उल्लेखनीय है कि राम प्रकाश बिरमानी (76) डीआरडीओ से टेक्निकल इंजीनियर पद से रिटायर्ड हैं। वे राजधानी परिसर, कान्हा सइया में रहते हैं। वे जिस परिसर में रहते हैं वहां केवल तीन चार ही मकान है। उनका सबसे बड़ा मकान है। उन्होंने बताया कि घर में वे और उनका 36 साल का बेटा सालिन बिरमानी रहता है। पिता पुत्र सोमवार रात खाना खाकर सो रहे थे। रात करीब दो बजे के आसपास उनके घर के सामने आधा दर्जन बदमाश पहुंचे। बदमाशों ने आवाज दी। वे कह रहे थे कि अंकल दरवाजा खोलो नहीं तो जान से खत्म कर देंगे। राम प्रकाश ने दरवाजा नहीं खोला। दरवाजा नहीं खोलने से गुस्साए बदमाशों ने पत्थर फेंके पत्थर राम प्रकाश और उनके बेटे सालिन के सीने पर लगे थे। डर के कारण राम प्रकाश और सालिन ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और घटना की जानकारी डायल 100 को दी।

10 से 15 मिनट के अंदर की वारदात

घर के अंदर और बाहर की तरफ लाइटें थी। डकैत घर के भीतर के सभी प्रतिक्रिया देख रहे थे। उन्होंने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला तो आरोपियों ने कमरे की ग्रिल काट ली। बदमाशों ने जिस कमरे की ग्रील काटी थी, वहां राम प्रकाश सालिन नहीं था। उस कमरे में आरोपियों ने तलाशी ली और उनके हाथ बीस हजार रुपए की नदगी और जेवरात लग गए। इसके अलावा तीन मोटरसाइकिलों की चाबी मिल गई थी।

रास्ते में दो बाइक छोड़कर भागे बदमाश

थाना प्रभारी कुंवर सिंह मुकाती ने बताया कि डायल 100 को सूचना मिलते ही 12 मिनट के अंदर डायल 100 मौके पर पहुंच गई थी। इस दौरान रास्ते में दो बाइक पर सवार चार बदमाश बाइक छोड़कर अंधेरे की तरफ भाग निकले। जबकि एक बाइक सूखीसेवनिया से पुलिस ने बरामद कर ली है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

यहां नहीं लगे है सीसीटीवी कैमरे

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान पता चला कि कॉलोनी में तीन से चार छोटे मकान बने हुए हैं। इन मकानों में सबसे बड़ा मकान राम प्रकाश है। रामप्रकाश का एक बेटा कर्नल है और जम्मू काश्मीर में पदस्थ हैं। वह परिवार के साथ वहीं रहता है। पत्नी का निधन होने के बाद राम प्रकाश बेटे के साथ यहां अकेले रह रहे हैं। यहां कहीं भी सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं।

इंजीनियरिंग के छात्र ने जन्मदिन पर लगा ली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बाग सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित साकेत नगर में सोमवार-मगलवार की दरमियानी रात बीटेक के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी उस समय लगी जब उसका दोस्त उसे जन्मदिन की बधाई देने उसके घर पहुंचा था। पुलिस के अनुसार रवीन्द्रनाथ टैगोर कांप्लेक्स साकेत नगर निवासी धीरज पटेल पिता शिवशंकर पटेल (19) निजी कॉलेज में बीटेक द्वितीय वर्ष का छात्र था। उसके माता-पिता इन्द्रपुरी एक्सटेंशन कॉलोनी में रहते हैं। मंगलवार को धीरज पटेल का जन्मदिन था। उसका दोस्त कार्तिक मीना जन्मदिन की बधाई देने दोपहर करीब सवा 12 बजे साकेत नगर पहुंचा, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। बार बार आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो कार्तिक ने धीरज के मोबाइल पर कॉल किया था, लेकिन कॉल रिसीव नहीं किया। अनहोनी की आशंका होने पर कार्तिक ने पड़ोसियों और पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर देखा कि धीरज पटेल दुपट्टे के फंदे के सहारे लटक रहा था। मामले की जांच कर रहे एएसआई बद्री प्रसाद ने बताया कि करीब दो साल से धीरज पटेल अपने माता-पिता से अलग रह रहा था। वह किसी बात को लेकर उनसे नाराज था। परिवार में माता-पिता के अलावा एक छोटा भाई व एक छोटी बहन है। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है। साथ ही परिजन के बयान में भी आत्महत्या की वजह साफ नहीं हो सकी है।

शराब तस्कर से 70 लीटर कच्ची शराब जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया पुलिस ने शराब तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास अवैध रूप से रखी 70 लीटर कच्ची जहरीली शराब जब्त की है। वारदात में उपयोग की गई मोटर सायकिल को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि विदिशा रोड स्थित पारदी टपरों के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बेचने के लिए मोटर सायकिल लेकर खड़ा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने संदेही युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ पर उसने अपना नाम मुकेश कंजर (45) निवासी ग्राम करारिया टपरा थाना बैरसिया बताया। उसके पास मौजूद मोटर सायकिल पर प्लास्टिक के दो कुप्पों में कुल 70 लीटर जहरीली कच्ची शराब भरी हुई मिली। पुलिस ने शराब और बाइक समेत कुल 84 हजार का माल जब्त कर लिया।

निर्माणाधीन मकान की मल्टी में मिला चौकीदार का शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा स्थित निर्माणाधीन मल्टी में चौकीदार का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत के कारण स्पष्ट हो सकेगे। पुलिस के अनुसार बैरागढ़ निवासी परसराम सागर (55) कोहेफिजा में निर्माणाधीन मल्टी में चौकीदारी करते थे। मंगलवार सुबह उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सुबह काम करने पहुंचे मजदूरों ने उनका शव देखा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस का अनुमान है कि हार्ट अटैक से परसराम सागर की मौत हुई है। हालांकि पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

दुकान में मिला युवक का शव, शराब पीने का था आदी

भोपाल। गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित छोला नाका के पास एक दुकान में युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि मृतक शराब पीने का आदी था और कुछ दिन से उसकी तबीयत भी खराब थी। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पीएम रिपोर्ट में ही मौत के सही कारण का पता चल सकेगा। पुलिस के अनुसार मुन्नु उर्फ शानू मोहम्मद पिता इदरीश (30) राजगढ़ कॉलोनी गौतम नगर में रहताड़था। उसका शव घर से कुछ दूरी पर निर्माणाधीन दुकान में पड़ा मिला। मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे दुकान का संचालन करने वाले अलीम भाई ने आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। बताया जाता है कि उक्त दुकान निर्माणाधीन है और उसमें शटर नहीं लगे हैं। यहां अलीम भाई चिकन शॉप का संचालन करते हैं।

नाबालिग से बलात्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एक युवती के साथ बलात्कार की घटना सामने आई है। युवती जब गर्भवती हो गई और उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तब परिजनों को पता चला। पुलिस ने बताया कि आरोपी नाबालिग लड़का है जो घटना के बाद से ही फरार हो गया है। 21 वर्षीय युवती के घर में मार्च के माह में उसके गांव का एक नाबालिग घर में जबरदस्ती अंदर घुस गया। उसने जबरन युवती को धमकाते हुए बलात्कार किया। विरोध करने पर उसने जान से मारने की धमकी तक दे डाली। कुछ दिन बाद पता चला कि युवती गर्भवती हो गई है।

मेट्रो एंकर | **कल से होगा ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव**

लाल परेड मैदान के आसपास भारी भीड़भाड़ के कारण रहेगा डायवर्सन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आगामी 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। इसके लिए 16 नवंबर को लाल परेड मैदान पर मतदान सामग्रीम वितरित की जाएगी और मतदान दल सामग्री लेकर अपने केंद्रों के लिए रवाना होंगे। इसके लिए लाल परेड मैदान के आसपास भारी भीड़भाड़ होगी। आमजन की सुविधा के लिए 16 नवंबर को सुबह 6 बजे से लाल परेड मैदान के आसपास ट्रैफिक व्यवस्था बदली रहेगी।

इस दौरान डीबी माल तिराहे से जेल मुख्यालय रोटरी होकर कंट्रोल रूम तिराहे की ओर जाने वाला सामान्य यातायात डीबी मॉल तिराहे से मैदा मिल, जिन्सी धर्मकांटा होकर पुराने भोपाल की ओर जाएगा। इसी तरह से पुलिस मुख्यालय तिराहे से पुराना पुलिस कंट्रोल रूम होकर गांधी पार्क तिराहा, रोशनपुरा की ओर सामान्य यातायात प्रतिबंधित रहेगा। पुराना मछलीघर तिराहे से गांधीपार्क तिराहे की ओर आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। डायवर्सन के दौरान परिवर्तित मार्ग का उपयोग किया जा सकेगा।

बदले मार्ग से चलेगा यातायात

रोशनपुरा से भारत टॉकीज की ओर जाने वाले दोपहिया एवं चार पहिया वाहन बाणगंगा, मछलीघर, खटलापुरा, पीएचक्यू तिराहा, लिली टॉकीज होते हुये भारत टॉकीज की ओर आना-जाना करेंगे। टीटी नगर से रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड की ओर जाने वाली मिनी बसें एवं बड़ी बसें अपैक्स बैंक, लिंक रोड नंबर-1 से होते हुए बोर्ड ऑफिस चौराहा, मैदामिल, जिंसी धर्मकॉटा, ऐशबाग फाटक से होकर भारत टॉकीज की तरफ आवागमन कर सकेंगे। अनुमति प्राप्त सभी प्रकार के माल वाहक, भारी वाहनों का प्रवेश भी लालपरेड की ओर आने वाले मार्ग डीबी मॉल तिराहे से जेल मुख्यालय रोटरी की ओर, लिली चौराहे से पुलिस मुख्यालय की ओर और रोशनपुरा से गांधी पार्क तिराहे की ओर पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

मतदान में सम्मिलित होने वाली बसों की पार्किंग व्यवस्था

- **मतदान** दलों को ले जाने वाली बसों की पार्किंग स्थल लालपरेड मैदान, हार्स रायडिंग मैदान एवं एमव्हीएम कॉलेज मैदान में होगी। मतदान समाग्री कार्य में संलग्न वरिष्ठ अधिकारियों के वाहन मोतीलाल स्टेडियन में सामने आम बगिया, आईटीआई ग्राउंड एवं बैंड स्कूल में पार्क किए जाएंगे।
- **पुलिस** एवं अन्य कर्मचारियों के दोपहिया/चार पहिया वाहन रूस्तमजी परिसर, एमएलए रेस्ट हाउस परिसर, एमव्हीएम मैदान, जेल मुख्यालय मैदान में पार्क होंगे। पुलिस बल को लाने ले जाने वाली समस्त बसों की पार्किंग व्यवस्था एमएलए रेस्ट हाउस परिसर में रहेगी।
- **ट्रैफिक** पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि डायवर्सन व्यवस्था का उपयोग कर यातायात व्यवस्था में सहयोग करें तथा किसी प्रकार की असुविधा होने पर यातायात दूरभाष नम्बर 0755-2677340, 2443850 पर संपर्क कर सकते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022